



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम

हरियाणा दिवस : चुनौतियों को बौना साबित किया

किसानों ने खाद्यान्ज उत्पादन में बनाई हरियाणा की विशेष पहचान

■ वैज्ञानिकों की सलाह को अपनाकर बदला खेती का तरीका

हिसार, 31 अक्टूबर (ब्यूरो):
आज बेशक किसानों को नए कानूनों
के दायरे में बाधा जा रहा हो, लेकिन
इन्हीं की बदौलत हरियाणा प्रगति के
पथ पर आगे बढ़ा। प्रदेश गठन के
समय अनेक चुनौतियां थीं। खासतौर
से खाद्यान्न उत्पादन में हरियाणा का
कोई खास दर्जा नहीं था, लेकिन
किसानों और
वैज्ञानिकों की मेहनत
की बदौलत खेती में
काफी बदलाव देखने
को मिला। किसानों
ने वैज्ञानिक तरीके
अपनाकर खेती करने का ढंग
बदला, जिसका परिणाम है अब
हरियाणा की गिनती देश के खाद्या-
भण्डारण व फसल उत्पादन वाले
अग्रणी प्रदेशों में है।

बात करें तो देशभर के केंद्रीय खाद्यान भण्डारण में प्रदेश का कुल हिस्सा 16 प्रतिशत है जो अपने आप में बहुत बड़ी उपलब्धि है। इसमें गेहूं 9.3 मिलियन टन और चावल 4.2 मिलियन टन शामिल हैं। आज हरियाणा प्रदेश गेहूं के प्रति हैक्टेयर उत्पादन क्षमता में देश में

चावल के उत्पादन में रिकार्ड वृद्धि हुई है।

प्रति हैक्टेयर 3 गुणा से अधिक
बढ़ा गेहूं का उत्पादन
वर्ष 1966-67 में पटेश में गेहूं

वर्ष 1966-67 में प्रदेश में गृह का उत्पादन मात्र 14.25 किंवंटल प्रति हेक्टेयर था। जो वर्ष 2000-01 में 41.06 किंवंटल प्रति हेक्टेयर और वर्ष 2019-20 में 46.87

विवरण प्रति हेक्टेयर हो गया है। देश में औसतन गेहूं का उत्पादन 34.21 विवरण प्रति हेक्टेयर आंका गया है जबकि प्रदेश में गेहूं का औसतन उत्पादन 46.87 विवरण प्रति हेक्टेयर है।

इसी प्रकार वर्ष 1966-67 में प्रदेश में चावल का उत्पादन मात्र 11.61 किंवंटल प्रति हेक्टेयर था। जो वर्ष 2000-01 में 25.57 किंवंटल प्रति हेक्टेयर और वर्ष 2019-20 में 33.34 किंवंटल प्रति हेक्टेयर हो गया है। देश में औसतन चावल

का उत्पादन 27.05 बिंबिटल प्रति हेक्टेयर है जबकि प्रदेश में चावल का औसतन उत्पादन 33.34 बिंबिटल प्रति हेक्टेयर है।

हस्ति क्रांति में कृषि वैज्ञानिकों का अहम योगदान

प्रदेश में हरित क्रांति की सफलता व खाद्यान्त उत्पादन में अपार वृद्धि हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों की भी अहम योगदान है। दलहन व तिलहन फसलों में बढ़ते उत्पादन को लेकर भी विश्वविद्यालय ने अपनी अलग पहचान बनाई है। मौजूदा समय में विश्वविद्यालय ने गेहूं की डल्यू.एच. 1187 व डल्यू.एच. 1105 जैसी उन्नत किस्में विकसित की हैं, जिनका उत्पादन प्रति हेट्टेयर 61.2 विंटल से 71.6 विंटल तक आंका गया है। अब तक हक्की द्वारा गेहूं की 23 किस्मों को विकसित किया गया है जिनमें 14 किस्में राष्ट्रीय स्तर पर जबकि 9 किस्में प्रदेश स्तर के किसानों के लिए जारी की गई हैं। इसी प्रकार बाजारे की 21, जौ की 8 किस्में, मक्का की 15, दलहन की 36, तिलहन की 29, कपास की 24, चारा की 34, गन्ने की 8, औषधीय एवं सुगंधित पौधों की 8, सब्जियों की 27 और बागवानी की 4 किस्में विकसित की हैं। वहीं चावल की 12 किस्में विकसित की गई हैं जिनमें 11 किस्मों को प्रदेश व 1 किस्म को देशभर के लिए जारी किया गया है।

250 नई व उन्नत किसीं विकसित की

कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने विश्वविद्यालय की उपलब्धियों का जिक्र करते बताया कि विश्वविद्यालय की स्थापना से लेकर अब तक विश्वविद्यालय ने विभिन्न फसलों की 250 नई व उन्नत किस्में विकसित की हैं जो रोगप्रतिरोधी व अधिक पैदावार देने वाली हैं। अब तक 533 राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एम.ओ.यू. साइन हो चुके हैं। अभी तक विश्वविद्यालय को 17 पैटेंट, 5 कॉर्पोरेशन और 2 डिजाइनों को स्वीकृति मिल चुकी है। इसके अलावा 49 पैटेंट, 1 कॉर्पोरेशन व 2 डिजाइन विश्वविद्यालय की ओर से स्वीकृति के लिए अप्लाई किए गए हैं। विश्वविद्यालय ग्रामीण व शहरी महिलाओं, युवाओं व प्रदेश के किसानों को स्वावलम्बी, समृद्ध और आर्थिक रूप से संपन्न बनाने की दिशा में प्रयासरत है।



कुलपति प्रोफेसर
समर सिंह। (नारंग)
को स्वावलम्बी, समृद्ध
है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..... द्वितीय मुद्रण

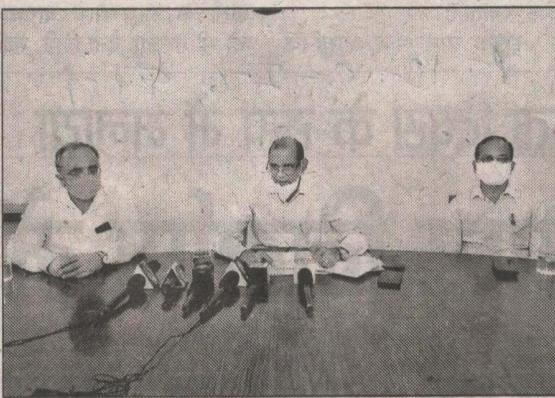
दिनांक १०. ११. २०२० पृष्ठ संख्या १३ कॉलम २-६

देश के खाद्यान भंडारण को समृद्ध बनाने में हकूमि की भूमिका अहम **हरियाणा क्षेत्रफल की दृष्टि से छोटा खाद्यान में अव्याप्ति : प्रो. सरनरसिंह**

हरियाणा दिवस पर
किसानों से किया
आह्वान, अधिक से
अधिक विश्वविद्यालय की
नई तकनीकों व फसलों
की किसिमों का उठाए
लाभ

हरिभूमि न्यूज ►►| हिसार

हरियाणा क्षेत्रफल की दृष्टि से देश के अन्य प्रदेशों की तुलना में बहुत ही छोटा है जबकि देश के खाड़ीन भंडारण व फसल उत्पादन में अग्रणी प्रदेशों में है। यह बात हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने हरियाणा दिवस की पूर्व संध्या पर पत्रकारों से बातचीत में कही। कुलपति ने कहा कि प्रदेश में हरित क्रांति की सफलता व खाड़ीन उत्पादन में अपार बृद्धि हुक्मिय के वैज्ञानिकों द्वारा अधिक पैदावार वाली विभिन्न फसलों की किस्में विकसित करना, नई-नई तकनीकें इजाद करना, अथक प्रयासों, लगन, दूरगमी सोच और प्रदेश के



हिसार। प्रेस कांफ्रेस में पत्रकारों से बातचीत करते कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व अन्य अधिकारी। फोटो: हरिभूमि

किसानों की कड़ी मेहनत का ही करता है जबकि कुल चावल परिणाम है। उत्पादन में प्रदेश दसरे स्थान पर है।

उज्जत किटमों से
किसान हो रहा सञ्चाल

प्रो. समर सिंह ने कहा कि आज देशभर के केंद्रीय खाइना भंडारण में प्रदेश का कुल भंडारण का 16 प्रतिशत है जो अपने आप में बहुत बड़ी उपलब्धि है। इसमें गेहूं 9.3 मिलियन टन और चावल 4.2 मिलियन टन शामिल हैं। आज हरियाणा प्रदेश गेहूं के प्रति हेक्टेयर उत्पादन क्षमता में देश में नंबर बन है। अकेला हरियाणा प्रदेश देश का 60 प्रतिशत बासमती का उत्पादन

करता है जबकि कुल चावल
उत्पादन में प्रदेश दूसरे स्थान पर है।

यह एही विश्वविद्यालय
की उपलब्धियां

कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने विश्वविद्यालय की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए आगे बताया कि विश्वविद्यालय की स्थापना से लेकर अब तक विश्वविद्यालय ने विभिन्न फसलों की 250 नई व उन्नत किस्में विकसित की हैं जो रोग प्रतिरोधी व अधिक पैदावार देने वाली हैं। अब तक 533 राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एमओयू साइन हो चुके हैं।

आधुनिक तकनीकों के प्रयोग से पिछले 20 वर्षों में गैहूं व चावल के उत्पादन ने एकार्ड वृद्धि हुई

कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने बताया कि पिछले 20 वर्षों में गोहू व चावल के उत्पादन में

A black and white photograph showing the modern architectural facade of the university building. The building features large glass windows and doors, and a prominent central entrance. Above the entrance, there is a circular emblem or logo. The text "DR. BHIM SINGHANIA AGRICULTURAL UNIVERSITY" is visible above the building's entrance.

किंवान समृद्ध और खुशहाल हो रहा है। उन्होंने बताया कि वर्ष 1966-67 में प्रदेश में गेहू़ का उत्पादन मात्र 14.25 विंचटल प्रति हेक्टेयर था। जो वर्ष 2000-01 में 41.06 विंचटल प्रति हेक्टेयर और वर्ष 2019-20 में 46.87 विंचटल प्रति हेक्टेयर हो गया है। देश में औसतन गेहू़ का उत्पादन 34.21 विंचटल प्रति हेक्टेयर आया गया है जबकि प्रदेश में गेहू़ का औसतन उत्पादन 46.87 विंचटल प्रति हेक्टेयर है। मौजूदा समय में विद्यविद्यालय के गेहू़ की डल्लूसूए 1187 र डल्लूसूए 1105 जैसी उत्पादन किस्में विकसित की हैं जिनका उत्पादन प्रति हेक्टेयर 61.2 विंचटल से 71.6 विंचटल तक आंका गया है। अब तक विद्यविद्यालय द्वारा गेहू़ की 23 किस्मों को विकसित किया गया है जिनमें 41 किस्में सार्वजनिक स्तर पर जारी 9 किस्में प्रदेश स्तर पर किसानों के लिए जारी की गई हैं। इसी प्रकार बाजारे की 21, जी की 8 किस्में, मत्कारा की 15, दलहन की 36, तिलहन की 29, कपास की 24, चारा की 34, गँड़ों की 8, औषधीय एवं सुगंधित पौधों की 8, सब्जियों की 27 और बागवानी की 4 किस्में विकसित की हैं।

चावल उत्पादन में भी ठुक्रा किरण्ड बढ़ोतरी
 हसी प्रकार वर्ष 1966-67 में प्रदेश में चावल का उत्पादन मात्र 11.61 किलोटन
 प्रति हेक्टेयर था। जो वर्ष 2000-01 में 25.57 किलोटन प्रति हेक्टेयर और वर्ष
 2019-20 में 33.34 किलोटन प्रति हेक्टेयर हो गया है। देश में औसतन चावल
 का उत्पादन 27.05 किलोटन प्रति हेक्टेयर है जबकि प्रदेश में चावल का
 औसतन उत्पादन 33.34 किलोटन प्रति हेक्टेयर है। अब तक विश्वविद्यालय
 द्वारा चावल की 12 किस्में विकसित की गई है जिनमें 11 किस्मों को प्रदेश व
 1 किस्म को देशभर के लिए जारी किया गया है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..... अभियान!
दिनांक .।.....11.2020.....पृष्ठ संख्या.....4.....कॉलम.....1-3

देश के खाद्यान्व भंडारण को समृद्ध बनाने में एचएयू की भूमिका अहम : प्रो. समर सिंह

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। जब प्रदेश संयुक्त पंजाब से अलग हुआ तो उस समय हरियाणा प्रदेश का वर्ष 1966-67 में खाद्यान्न उत्पादन केवल 2.59 मिलियन टन था, जो अब वर्ष 2019-20 में यह बढ़कर 17.86 मिलियन टन हो गया है। प्रदेश में हरित क्रांति की सफलता व खाद्यान्न उत्पादन में अपार वृद्धि हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों के अथक प्रयासों और प्रदेश के किसानों की कड़ी मेहनत का ही परिणाम है। यह बात हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के कुलपति प्रो. समर सिंह ने कही। वह हरियाणा दिवस की पूर्व संध्या पर आयोजित एक प्रेस वार्ता के दौरान पत्रकारों से रुबरू हो रहे थे। उन्होंने कहा कि आज देशभर के केंद्रीय खाद्यान्न भंडारण में प्रदेश का कुल भंडारण का 16 प्रतिशत है, जो एक बड़ी उपलब्धि है।

कुलपति ने बताया कि अब तक विश्वविद्यालय ने गेहूं की 23 किस्में, चावल की 12, बाजरे की 21, जौ की 8 किस्में, मक्का की 15, दलहन की 36, तिलहन की 29, कपास की



जानकारी देते प्रो. समर सिंह व डॉ. एसके सहरावत।

24, चारे की 34, गन्ने की 8, औषधीय एवं सुगंधित पौधों की 8, सब्जियों की 27 और बागवानी की चार किस्में विकसित की हैं।

ये हैं विश्वविद्यालय की उपलब्धियाँ : प्रो. समर सिंह ने बताया कि अभी तक विश्वविद्यालय को 17 पेटेंट, 5 कॉपीराइट और दो डिजाइनों को स्वीकृति मिल चुकी है। इसके अलावा 49 पेटेंट, 1 कॉपीराइट व दो डिजाइन स्वीकृति के लिए अप्लाई किए गए हैं। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई पुरस्कार मिले हैं। इनमें से देश के सभी कृषि विश्वविद्यालयों में भारतीय

केंद्रीय खाद्यान्न भंडारण में प्रदेश का
कुल हिस्सा 16 प्रतिशत

कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा मिला प्रथम राष्ट्रीय पुरस्कार व हाल ही में विश्वविद्यालय को मिली प्रथम अटल रैंकिंग शामिल है।

जल्द शुरू होगा बायोगैस प्लांट : एचएयू में निर्माणाधीन बायो गैस प्लांट पर कुलपति ने कहा कि इसके लिए बाहर से कोई मशीन आनी थी, जिसे आने में देरी हो गई। इस कारण से इसे शुरू नहीं करवाया जा सका है। मगर जल्द ही शुरू करवाया जाएगा। सोलर ग्रीन हाउस घोटाले के मामले में उन्होंने कहा कि इसे लेकर कमेटी ने अभी अपनी रिपोर्ट नहीं सौंपी है। कमेटी ने जांच के लिए कुछ समय मांगा था। उधर, ठेकेदार भी काम करने को तैयार है। प्रदेश में किसानों द्वारा पराली जलाने के सवाल पर उन्होंने कहा कि धीरे-धीरे किसान जागरूक हो रहे हैं। मगर कुछ किसान अभी भी अगली फसल जल्द लेने के लालैच में पराली जला रहे हैं। हालांकि विविकी की तरफ से इस बारे में लगातार किसानों को जागरूक किया जा रहा है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

दिनांक .।. ।।. २०२० पृष्ठ संख्या..... कॉलम.....

हरियाणा दिवस

प्रो. समर सिंह ने कहा - पंजाब से अलग होते समय प्रदेश में 2.59 था खाद्यान्, अब 17.86 मिलियन टन पहुंचा

विज्ञानियों ने नई किस्में दीं, किसानों ने बहाया पसीना

जागरण संवाददाता, हिसार : 1966 में जब प्रदेश संयुक्त पंजाब से अलग हुआ तो खाद्यान् उत्पादन केवल 2.59 मिलियन टन था। इसके बाद वर्ष 2000-2001 में बढ़कर 13.29 मिलियन टन हो गया। अब 2019-20

कुलपति प्रो. समर सिंह। ● जागरण में यह 17.86 मिलियन टन हो गया है। प्रदेश में हरित क्रांति की सफलता व खाद्यान् उत्पादन में अपार वृद्धि हरियाणा कृषि विवि के विज्ञानियों द्वारा अधिक पैदावार वाली विभिन्न फसलों की किस्में विकसित करना, नई-नई तकनीकें ईजाद करना, अथक प्रयासों, लगन, दूरगामी सोच और प्रदेश के किसानों की कड़ी मेहनत का ही परिणाम है।

चावल उत्पादन में भी हुई रिकार्ड बढ़ोत्तरी

इसी प्रकार वर्ष 1966-67 में प्रदेश में चावल का उत्पादन मात्र 11.61 किंवटल प्रति हेक्टेयर था। वर्ष 2000-01 में 25.57 किंवटल प्रति हेक्टेयर और वर्ष 2019-20 में 33.34 किंवटल प्रति हेक्टेयर हो गया है। देश में औसतन चावल का उत्पादन 27.05 किंवटल

प्रति हेक्टेयर है, जबकि प्रदेश में चावल का औसतन उत्पादन 33.34 किंवटल प्रति हेक्टेयर है। अब तक विश्वविद्यालय द्वारा चावल की 12 किस्में विकसित की गई हैं, जिनमें 11 किस्मों को प्रदेश व 1 किस्म को देशभर के लिए जारी किया गया है।

16

फीसद पूरे देश के खाद्यान् में से हरियाणा में

पिछले 20 वर्षों में गेहूं व चावल के उत्पादन में रिकार्ड वृद्धि हुई है। वर्ष 1966-67 में प्रदेश में गेहूं का उत्पादन मात्र 14.25 किंवटल प्रति हेक्टेयर था। वर्ष 2000-01 में यह 41.06 किंवटल प्रति हेक्टेयर और वर्ष 2019-20 में 46.87 किंवटल प्रति हेक्टेयर हो गया है। मौजूदा समय में विश्वविद्यालय ने गेहूं की डब्ल्यूएच 1187 व डब्ल्यूएच 1105 जैसी उन्नत किस्में विकसित की हैं जिनका उत्पादन प्रति हेक्टेयर 61.2 किंवटल से 71.6 किंवटल तक आंका गया है। अब तक विश्वविद्यालय द्वारा गेहूं की 23 किस्मों को विकसित किया गया है जिनमें 14 किस्में राष्ट्रीय स्तर पर जबकि 9 किस्में प्रदेश स्तर के किसानों के लिए जारी की गई हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह बताते हैं कि अन्य प्रदेशों की तुलना में हरियाणा का क्षेत्रफल बहुत ही छोटा है। वहीं देश के खाद्यान् भंडारण व फसल उत्पादन में इसकी गिनती अग्रणी प्रदेशों में होती है। आज देशभर के केंद्रीय खाद्यान् भंडारण में प्रदेश का कुल भंडारण का 16 प्रतिशत है। इसमें गेहूं 9.3 मिलियन टन और चावल 4.2 मिलियन टन शामिल हैं।

गेहूं के प्रति हेक्टेयर उत्पादन क्षमता में हरियाणा देश में नंबर बन है। 60 फीसद बासमती का प्रदेश करता है उत्पादन : प्रो. सिंह बताते हैं कि हरियाणा देश का 60 प्रतिशत बासमती का उत्पादन करता है, जबकि कुल चावल उत्पादन में हम दूसरे स्थान पर हैं। दलहन व तिलहनी फसलों में बढ़ते उत्पादन को लेकर भी विश्वविद्यालय ने अपनी अलग पहचान बनाई है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....
दैनिक मासिक

दिनांक .J.../I.../2020 पृष्ठ संख्या.....4 कॉलम.....6:7

देश के खाद्यान भण्डारण को समृद्ध बनाने में एचएयू की भूमिका अहम : प्रो. समर

हिसार| जब प्रदेश संयुक्त पंजाब से अलग हुआ तो उस समय हरियाणा प्रदेश का वर्ष 1966-67 में खाद्यान उत्पादन केवल 2.59 मिलियन टन था। इसके बाद वर्ष 2000-2001 में बढ़कर 13.29 मिलियन टन हो गया और अब वर्ष 2019-20 में यह बढ़कर 17.86 मिलियन टन हो गया है। ये विचार एचएयू के कुलपति प्रोफेसर

समर सिंह ने व्यक्त किए। वे हरियाणा दिवस की पूर्व संध्या पर आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान पत्रकारों से रुबरू हो रहे थे। आज देशभर के केंद्रीय खाद्यान भण्डारण में प्रदेश का कुल भण्डारण का 16 प्रतिशत है जो अपने आप में बहुत बड़ी उपलब्धि है। इसमें गेहूं 9.3 मिलियन टन और चावल 4.2 मिलियन टन शामिल हैं।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सच कहूं	01.11.2020	--	--

हिंसार

sachkahoon.com

सरसा, रविवार, 1 नवंबर 2020

epaper.sachkahoob.com

हरियाणा दिवस पर किसानों से किया आह्वान, अधिक से अधिक विश्वविद्यालय की नई तकनीकों व फसलों की किस्मों का उठाएं लाभ **देश के खाद्यान भंडार को समृद्ध बनाने में एचएयू की अहम भूमिका: प्रोफेसर समर सिंह**

- विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों की मेहनत व प्रदेश के किसानों के सहयोग का ही नतीजा

अब प्रस्तुति संयुक्त फैलाव से अलग हो गई तो उस विधिविवरण टन का जर्वे 1966-67 में दायानंद ठाकारण के 2.59 मिलियन टन था। इसके बाद वर्ष 2000 - 2001 में बढ़कर 13.29 मिलियन टन था। 2005 और अब वर्ष 2019 - 2020 में यह बढ़कर 17.86 मिलियन टन हो गया है। प्रस्तुति में उल्लेख की गयी संख्याएँ व उपलब्ध उत्पादन में अभी तुरंत अंतर दर्शाते हैं। विधिविवरण के विवरोंमें इसी अधिक पैदावार विधिविवरण की किसी विकास करना, नई तकनीकें लाना, अवधारणाओं, स्वास्थ, दूषणाओं से भी बचाव करना, अप्रत्याशित स्थान, दूषणाओं से भी बचाव करना।

के निकासन का कड़ा महनत का हा पारवणम ह। वे विचार चौथरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने व्यक्त किए। वे हरियाणा दिवस को पूर्व संध्या एवं अद्योजित एक प्रेस बारात के दौरान पत्रकारों

प्रदश

स रुद्धरु हा रहे थे

कृषि उन्होंने कहा कि हाँ

र सिंह दृष्टि से अन्य प्रदेशों

साध्या छोटा है जबकि देश

उन्नत किस्मों व आधुनिक तकनीकों से प्रदेश का किसान हो रहा है समझ



चावल उत्पादन में भी हुई रिकार्ड बढ़ोतरी

उसी प्रकार वर्ष 1966-67 में प्रदेश में यात्राल का उत्पन्न भार 11.61 विवरण इसे हैट्टेयर बता। जो वर्ष 2000-01 में 25.57 विवरण प्रति हैट्टेयर और वर्ष 2019-20 में 33.34 विवरण प्रति हैट्टेयर हो गया है। देश में अलगाव यात्राल का उत्पन्न 27.05 विवरण प्रति 3.4 विवरण प्रति हैट्टेयर है। की माझे हैं जिनमें 11 किस्मों

27.05. विवेल प्रति हॉटेल है जबकि प्रदेश में यात्रा का औसतन उत्पादन 33.34 विवेल प्रति अर तक विश्वविद्यालय द्वारा यात्रा की 12 किमी स्थिरता की गई है जिनमें 11 किमी को प्रदेश व 1 किमी को देशपर के लिए आरी किया गया है।

दृष्टि अपना में देखा भैं नवर जब है। अकेला शाया प्रदेश देश का 60 प्रतिशत व्यासनीयों का बहुत बड़ा करता है जैसे कुल व्यापक उत्तराधिकारी देश दूसरे देशों पर है। प्रोफेसर समर पवित्र इसकी की दराने का नियन्त्रण फरसतों में बहुत उत्तराधिकारी के लिए भी विश्वविद्यालय ने आज अलग पहचान बनाई है। उन्नीस प्रदेश के किसानों से आधिकारिक रूप से विश्वविद्यालय ग्राम विकास आयोग की तरफ से विश्वविद्यालय के विभिन्न फरसतों का विस्तृत कालांतर प्रयोग।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक सवेरा	01.11.2020	--	--

रविवार ● 01.11.2020

www.hrbreakingnews.com

हरियाणा

देश के खाद्यान मण्डारण को समृद्ध बनाने में एचएयू की भूमिका अहम : प्रोफेसर समर सिंह

एचआर ब्रेकिंग न्यूज़

हिसार। जब प्रदेश संघरक्षण पंजाब से अलग हुआ तो उस समाज हरियाणा प्रदेश का वर्ष 1966-67 में खाद्यान उत्पादन केवल 2.59 मिलियन टन था। इसमें बाज़ वर्ष 2000-2001 में बढ़कर 13.29 मिलियन टन हो गया और अब वर्ष 2019-20 में यह बढ़कर 17.86 मिलियन टन हो गया है। प्रदेश में हरियाणा की समस्ती व खाद्यान उत्पादन में आपका बृद्धि हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा अधिक पैदावार वाली विभिन्न फसलों की किसिसत करना, नई-नई तकनीके इंजाद करना, अथक प्रयोगों लागन, दूरगम्भी सोच और प्रदेश के किसानों की कड़ी मेहनत का ही परिणाम है। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपाति प्रोफेसर समर सिंह व अन्य अधिकारी



विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों की महान व प्रदेश के किसानों के सहयोग का ही नतीजा

भारतगण के फसल उत्पादन में अप्रौढ़ी प्रदेशों

में है। आज देशभर के केंद्रीय खाद्यान भारतगण में प्रदेश का कुल भारतगण का 16 चारों है। उन्होंने प्रदेश के किसानों से आलगान किया है जो अपने आप में बहुत बड़ी उत्पादन है। इसमें गेहूँ 9.3 मिलियन टन और चावल 4.2 मिलियन टन शामिल हैं। आज हरियाणा प्रदेश गेहूँ के प्रति हेक्टेयर उत्पादन अधिकतम में देश में नंबर बन है।

अकेला हारियाणा प्रदेश देश का 60 प्रतिशत बासमती का उत्पादन करता है जबकि कुल चावल उत्पादन में प्रदेश दूसरे अन्य पर है। प्रोफेसर समर सिंह ने बताया कि

तकनीकों से प्रदेश का किसान समृद्ध और खुशहाल हो रहा है। उन्होंने बताया कि वर्ष 1966-67 में प्रदेश में गेहूँ का उत्पादन मात्र 14.25 हेक्टेल प्रति हेक्टेयर था। जो वर्ष 2000-01 में 41.06 हेक्टेल प्रति हेक्टेयर और वर्ष 2019-20 में 46.87 हेक्टेल प्रति हेक्टेयर हो गया है। देश में अपेक्षत गेहूँ का उत्पादन 34.21 हेक्टेल प्रति हेक्टेयर आका गया है जबकि प्रदेश में गेहूँ का औसतन उत्पादन 46.87 हेक्टेल प्रति हेक्टेयर है। मौजूदा समय में विश्वविद्यालय ने गेहूँ की डब्ल्यूएच 1187 व डब्ल्यूएच 1105 जैसी उन्नत किस्में विकसित की हैं जिनका उत्पादन प्राप्त हेक्टेयर 61.2 हेक्टेल से 71.6 हेक्टेल तक आका गया है। अब तक विश्वविद्यालय द्वारा गेहूँ की 23 किस्मों को विकसित किया गया है जिनमें 14 किस्में राष्ट्रीय स्तर पर जबकि 9 किस्में प्रदेश स्तर के किसानों के लिए जारी की गई हैं। इसी प्रकार बाज़ेरी की 21, जी की 8 किस्में, मवका की 15, दलहन की 36, तिलहन की 29, कपास की 24, चान की 34, गने की 8, और धान एवं सुगंधित गोरे की 8, सज्जियों की 27 और बागबानी की 4 किस्में विकसित उन्नत किस्मों व आधुनिक



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	31.10.2020	--	--

देश के खाद्यान भण्डारण को समृद्ध बनाने में एचएयू की भूमिका अहम : समर सिंह

सिटी पल्स न्यूज़, हिसार। जब प्रदेश संयुक्त पंजाब से अलग हुआ तो उस समय हरियाणा प्रदेश का वर्ष 1966-67 में खाद्यान उत्पादन केवल 2.59 मिलियन टन था। इसके बाद वर्ष 2000-2001 में बढ़कर 13.29 मिलियन टन हो गया और अब वर्ष 2019-20 में यह बढ़कर 17.86 मिलियन टन हो गया है। प्रदेश में हरित क्रांति की सफलता व खाद्यान उत्पादन में अपार वृद्धि हरियाणा उत्पादन के वैज्ञानिकों द्वारा अधिक पैदावार वाली विभिन्न फसलों की किस्में विकसित करना, नई-नई तकनीकें इजाद करना, अथक प्रयासों, लगन, दूरगमी सोच और प्रदेश के किसानों की कड़ी मेहनत का ही परिणाम है। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने व्यक्त किए। वे हरियाणा दिवस की पूर्व संध्या पर आयोजित एक प्रेस वार्ता के दौरान पत्रकारों से रुबरू हो रहे थे। उन्होंने कहा कि हरियाणा प्रदेश क्षेत्रफल की दृष्टि से



हिसार। प्रेस काफ्रेस के दौरान पत्रकारों से रुबरू होते कुलपति समर सिंह व अन्य अधिकारी।

अन्य प्रदेशों की तुलना में बहुत ही छोटा है जबकि देश के खाद्यान भण्डारण व फसल उत्पादन में अग्रणी प्रदेशों में है। आज देशभर के केंद्रीय खाद्यान भण्डारण में प्रदेश का कुल भण्डारण का 16 प्रतिशत है जो अपने आप में बहुत बड़ी उपलब्धि है। इसमें गेहूं 9.3 मिलियन टन और चावल 4.2 मिलियन टन शामिल हैं। आज हरियाणा प्रदेश गेहूं के प्रति हेक्टेयर उत्पादन क्षमता में देश में नंबर वन है। अकेला हरियाणा प्रदेश

देश का 60 प्रतिशत बासमती का उत्पादन करता है जबकि कुल चावल उत्पादन में प्रदेश दूसरे स्थान पर है। प्रोफेसर समर सिंह ने बताया कि दलहन व तिलहनी फसलों में बढ़ते उत्पादन को लेकर भी विश्वविद्यालय ने अपनी अलग पहचान बनाई है।

कुलपति ने विश्वविद्यालय की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए आगे बताया कि विश्वविद्यालय की स्थापना से लेकर अब तक विश्वविद्यालय ने विभिन्न फसलों

की 250 नई व उन्नत किस्में विकसित की हैं जो रोग प्रतिरोधी व अधिक पैदावार देने वाली हैं। अब तक 533 राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एमओयू साइन हो चुके हैं। अभी तक विश्वविद्यालय को 17 पेटेंट, 5 कॉर्पोरेशन और 2 डिजाइन विश्वविद्यालय की ओर से स्वीकृति मिल चुकी है। इसके अलावा 49 पेटेंट, 1 कॉर्पोरेशन व 2 डिजाइन विश्वविद्यालय की ओर से स्वीकृति के लिए अस्लाई किए गए हैं। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई पुरस्कारों से भी नवाजा जा चुका है। इनमें से देश के सभी कृषि विश्वविद्यालयों में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा मिली प्रथम राष्ट्रीय पुरस्कार व हाल ही में विश्वविद्यालय को मिली प्रथम अटल रैंकिंग शामिल हैं। इस कुलसचिव सहित सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष एवं अन्य अधिकारी मौजूद थे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	31.10.2020	--	--

हिसार/अन्य

ਪਾਂਧ ਕਤੋ 3

हरियाणा दिवस पर किसानों से किया आझ्हान, विश्वविद्यालय की नई तकनीकों व फसलों की किस्मों का उताएं लाभ देश के खाद्यान भण्डारण को समृद्ध बनाने में एचएयू की भूमिका अहम : प्रो. समर सिंह

पांच वर्षीय

विकसित वाधुनिक तकनीकों व विभिन्न प्रकार की किसिम का उपयोग हो। उन्हें कियों व अधिकतम तकनीकों पर प्रदेश का किसिम हो रहा है सम्पूर्ण कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कालागढ़ का विलोन 20 बच्चों व बड़ों व चालाक के उत्पादन में रिकार्ड चौथा हुई है। विविध विद्यालयों द्वारा विकसित तकनीकों में अधिकतम तकनीकों में प्रदेश का किसिम सम्पूर्ण और सुखावाला हो रहा है।

A photograph of a man with glasses and a white shirt, wearing a face mask, sitting at a desk with microphones in front of him.

मध्यामा से लेकर अब तक विश्वविद्यालय में विभिन्न फसलों की 250 लौग-व उत्तर किसी विश्वविद्यालय की है जो रोपणात्मक व अधिक पैदावार देने वाली है। अब तक 533 राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय संघ द्वारा एवं ग्रन्थालय समाज व विद्यालयों द्वारा आपने तब विश्वविद्यालय को 17 प्रेटेंट, 5 कापोरेशन और 2 डिजिनों को स्वीकृति दी चुनी है। इसमें अमेरिका 49 प्रेटेंट, 1 कापोरेशन व 2 डिजिनों विश्वविद्यालय की ओर से स्वीकृति के लिये अलग-व विभिन्न ग्रन्थ हैं। उन्हें बताया विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय संघ द्वारा

25 विनायक प्रति 0-01 में 41.06 लाभ दर्हया है यहाँ 2019-2020 कालावधि की अपेक्षा ज्यादा है। उत्तराखण्ड 34.21 वर्ष की है जबकि उत्तराखण्ड 46.87 योग्यता सम्म विवरण दर्हया है इसके बाहर 1187 वर्ष की उत्तराखण्ड 7.05 वर्ष की तुलना में अधिक रहा। उत्तराखण्ड 7.16 वर्ष की विवरण दर्हया है जिसकी विवरण दर्हया किया गया है। इसका राशन पर विवरण दर्हया किया गया है। उत्तराखण्ड की प्रवर्तन वार्षिक की प्रवर्तन की 15, 22, 29, कालावधि की 8, अधिकतम की

प्रदूषित पौधों की 8, संवर्जनों की 27 और वायनों की 4 विवरण दर्हया की है। उत्तराखण्ड उत्तराखण्ड में भी हीट विवरण वार्षिक वार्षिक 1966-67 में प्रति वर्ष अधिक होने वाला उत्तराखण्ड मात्रा 11.61 किटल वर्ष की अधिक होने वाला जो आज 2020-01 में 55.75 किटल वर्ष की हो रहा और वह 2019-20 में 33.34 किटल वर्षीय अधिक हो गया है। इस दर्हया में असून वायन का विवरण दर्हया किया गया है। इसकी विवरण दर्हया की अधिक होने वाला उत्तराखण्ड 33.34 किटल वर्षीय अधिक होने वाला है। 18 अक्टूबर विवरण दर्हया दर्हया वायन की एवं उत्तराखण्ड 11 किटल की अधिक होने वाला उत्तराखण्ड 1 विकास की दोषपात्र के लिए जारी किया गया है।

यहाँ विवरण दर्हया की उत्तराखण्ड का कृषकों प्रोफेसर विवरण दर्हया के उत्तराखण्ड की जिक्र करते हैं और वायन को विवरण दर्हया की



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	31.10.2020	—	--

देश के खाद्यान भण्डारण को समृद्ध बनाने में
हकूमि की अहम भूमिका : प्रो. समर सिंह

हरियाणा दिवस पर
किसानों से किया
आहान, अधिक से
अधिक
विश्वविद्यालय की
नई तकनीकों व
फसलों की किस्मों
का उत्पादन लाभ

समस्त हरियाणा न्यूज
हिसार। जब प्रदेश संयुक्त पंजाब
से अलग हुआ तो उस समय
हरियाणा प्रदेश का वर्ष 1966-67
में खाद्यान उत्पादन केवल 2.59
मिलियन टन था। इसके बाद वर्ष
2000-2001 में बढ़कर 13.29
मिलियन टन हो गया और अब
वर्ष 2019-20 में यह बढ़कर 17.86
मिलियन टन हो गया है।
प्रदेश में हरियाणा कौटी की सफलता
व खाद्यान उत्पादन में अपार वृद्धि
हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के
वैज्ञानिकों द्वारा अधिक सेवावार
वाली विभिन्न फसलों की किस्में
विकसित करना, नई-नई तकनीकें
इजाव करारा, अधिक प्रयासों,
लगान, दूरामी सेच और प्रदेश के
किसानों की कड़ी मेहनत का ही
परिणाम है। ये विचार हरियाणा
कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति
प्रोफेसर समर सिंह ने व्यक्त किए।
वे हरियाणा दिवस की पूर्व संघर्षा
पर आयोजित एक प्रेस वार्ता के
द्वारा पत्रकारों से रूबरू हो रहे थे।
उन्होंने कहा कि हरियाणा प्रदेश
क्षेत्रफल की दृष्टि से अन्य प्रदेशों
की तुलना में बहुत ही छोटी है
जबकि देश के खाद्यान भण्डारण व
फसल उत्पादन में अग्रणी प्रदेशों में
है। आज देशभर के केंद्रीय खाद्यान
भण्डारण में प्रदेश का कुल
भण्डारण का 16 प्रतिशत है जो
अपने आप में बहुत बड़ी उपलब्धि



है। इसमें गेहूं 9.3 मिलियन टन
और चावल 4.2 मिलियन टन
शामिल हैं। आज हरियाणा प्रदेश
गेहूं के प्रति हेक्टेयर उत्पादन
क्षमता में देश में नंबर बन है।
अकेला हरियाणा प्रदेश देश का 60
प्रतिशत बायामी का उत्पादन
करता है जबकि कुल चावल
उत्पादन में प्रदेश दूसरे स्थान पर
है। प्रोफेसर समर सिंह ने बताया
कि दलहन व तिलहनी फसलों में
बढ़ते उत्पादन को लेकर भी
विश्वविद्यालय ने अपनी अलग
पहचान बनाई है। उन्होंने प्रदेश के
किसानों से आहान किया है जिन वे
विश्वविद्यालय द्वारा विकसित
आधुनिक तकनीकों व विभिन्न
फसलों की किस्मों का लाभ
उठाएं। इन दौरान विश्वविद्यालय
के कुलसचिव आदि मौजूद रहे।

उत्तर किस्मों व आधुनिक तकनीकों से प्रदेश का किसान हो रहा है समृद्ध

कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने बताया कि पिछले 20 वर्षों में गेहूं व
चावल के उत्पादन में रिकार्ड वृद्धि हुई है। विश्वविद्यालय द्वारा विकसित
उत्तर किस्मों व आधुनिक तकनीकों से प्रदेश का किसान समृद्ध और
खुशहाल हो रहा है। उन्होंने बताया कि वर्ष 1966-67 में प्रदेश में गेहूं का
उत्पादन मात्र 14.25 किंटल प्रति हेक्टेयर था। जो वर्ष 2000-01 में
41.05 किंटल प्रति हेक्टेयर और वर्ष 2019-20 में 46.87 किंटल प्रति
हेक्टेयर हो गया है। देश में औसतन गेहूं का उत्पादन 34.21 किंटल प्रति
हेक्टेयर आंका गया है जबकि प्रदेश में गेहूं का औसतन उत्पादन 46.87
किंटल प्रति हेक्टेयर है। मौजूदा समय में विश्वविद्यालय ने गेहूं की
डल्लूपूर्च 1187 व डल्लूपूर्च 1105 जैसी उत्तर किस्में विकसित की हैं
जिनका उत्पादन प्रति हेक्टेयर 61.2 किंटल से 71.6 किंटल तक अंका
गया है। इसी प्रकार वर्ष 1966-67 में प्रदेश में चावल का उत्पादन मात्र
11.61 किंटल प्रति हेक्टेयर था। जो वर्ष 2000-01 में 25.57 किंटल प्रति
हेक्टेयर और वर्ष 2019-20 में 33.34 किंटल प्रति हेक्टेयर हो गया है।
देश में औसतन चावल का उत्पादन 27.05 किंटल प्रति हेक्टेयर है जबकि
प्रदेश में चावल का औसतन उत्पादन 33.34 किंटल प्रति हेक्टेयर है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नम छोर	31.10.2020	--	--

हरियाणा में खाद्यान उत्पादन रिकॉर्ड 17.86 मिलियन टन पहुंचा: कुलपति

हिसार/31 अक्टूबर/रिपोर्टर

जब प्रदेश संयुक्त पंजाब से कलग हुआ तो उस समय हरियाणा प्रदेश का वर्ष 1966-67 में खाद्यान उत्पादन केवल 2.59 मिलियन टन था। इसके बाद वर्ष 2000-2001 में बढ़कर 13.29 मिलियन टन हो गया और अब वर्ष 2019-20 में यह बढ़कर 17.86 मिलियन टन हो गया है। प्रदेश में हरित क्रांति की सफलता व खाद्यान उत्पादन में अपार वृद्धि हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा अधिक पैदावार वाली विभिन्न फसलों की किसमें विकसित करना, नई-नई तकनीकें इजाद करना, अथक प्रयासों, लगन, दरगामी सोच और प्रदेश के किसानों की कड़ी मेहनत का ही परिणाम है। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने हरियाणा



दिवस की पूर्व संध्या पर व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि हरियाणा क्षेत्रफल की दृष्टि से अन्य प्रदेशों की तुलना में बहुत ही छोटा है जबकि देश के खाद्यान भण्डारण व फसल उत्पादन में अग्रणी प्रदेशों में है। आज देशभर के केंद्रीय खाद्यान भण्डारण में प्रदेश का कुल भण्डारण का 16 प्रतिशत है जो अपने आप में बहुत बड़ी उपलब्धि है। इसमें गेहूं 9.3 मिलियन टन और चावल 4.2 मिलियन टन

शामिल हैं। आज हरियाणा गेहूं के प्रति हेक्टेयर उत्पादन क्षमता में देश में नंबर वन है। अकेला हरियाणा देश का 60 प्रतिशत बासमती का उत्पादन करता है जबकि कुल चावल उत्पादन में प्रदेश दूसरे स्थान पर है। प्रोफेसर समर सिंह ने बताया कि दलहन व तिलहनी फसलों में बढ़ते उत्पादन को लेकर भी विश्वविद्यालय ने अपनी अलग पहचान बनाई है। कुलपति ने बताया कि पिछले 20 वर्षों में गेहूं व चावल के उत्पादन में रिकॉर्ड वृद्धि हुई है। कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय की स्थापना से लेकर अब तक विश्वविद्यालय ने विभिन्न फसलों की 250 नई व उन्नत किसमें विकसित की हैं जो रोग प्रतिरोधी व अधिक पैदावार देने वाली हैं। अब तक 533 राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एमओगू साइन हो चुके हैं। अभी तक विश्व विद्यालय को 17 पेटेंट, 5 कॉर्पोरेशन और 2 डिजाइनों को स्वीकृति मिल चुकी है। इसके अलावा 49 पेटेंट, 1 कॉर्पोरेशन व 2 डिजाइन विश्वविद्यालय की ओर से स्वीकृति के लिए अप्लाई किए गए हैं। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई पुरस्कारों से भी नवाजा जा चुका है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	31.10.2020	--	--

अजीत समाचार बठिंडा

देश के खाद्यान भंडारण को समृद्ध बनाने में एथार्य की भूमिका अहम : प्रौ. समर सिंह विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों की मेहनत व प्रदेश के किसानों के सहयोग का ही नतीजा



हिसार : पत्रकारों से लूबरु होते विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व अन्य अधिकारी। (छाया : राज पराशर)

हिसार, 31 अक्टूबर (राज पराशर) : जब प्रदेश संयुक्त पंजाब से अलग हुआ तो उस समय हरियाणा प्रदेश का वर्ष 1966-67 में खाद्यान उत्पादन केवल 2.59 मिलियन टन था। इसके बाद वर्ष 2000-2001 में बढ़कर 13.29 मिलियन टन हो गया और अब वर्ष 2019-20 में यह बढ़कर 17.86 मिलियन टन हो गया है। प्रदेश में हरित क्रांति की सफलता व खाद्यान उत्पादन में अपार वृद्धि

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा अधिक पैदावार वाली विभिन्न फसलों की किस्में विकसित करना, नई-नई तकनीकें इजाद करना, अधिक प्रयासों, लान, दूसामी सोच और प्रदेश के किसानों की कड़ी मेहनत का ही परिणाम है। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने व्यक्त किए। वे हरियाणा दिवस की पूर्व संध्या पर आयोजित एक प्रेस वार्ता के दौरान



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हिसार टूडे	31.10.2020	--	--

हिंसा-आसपास

विकास रायपुर 01 जून 2020

3

देश के खाद्यान भण्डारण को समृद्ध बनाने में एचएयू की भूमिका अहम : प्रोफेसर समर सिंह

विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों की मेहनत व प्रदेश के किसानों के सहयोग का ही नतीजा।



होता विस्तृदिवालय के कुलपति प्रोफेसर समर विहं व अस्य अधिकारी

देश के खालीन भण्डारण व फसल उत्पादन में अग्रणी प्रदेशों में है। आगे देशभर के केंद्रीय खालीन भण्डारण में प्रदेश का कुल भण्डारण का 1.9 प्रतिशत है जो अपने आप में बहुत बड़ा उपलब्धि है। इसमें गेहूं 9.3 मिलियन टन और चावल 4.2 मिलियन टन

होता विस्तृतियात्मक के कुलपति प्रोफेसर समर विहं व अस्य अधिकारी

महिला भौं याता भौं व किसानों के उद्यान के लिए

मेरे रखें रखो : का कठोर विवरणिकार्य तथा अनुसृति लिख जीव नामग्रन्थालय को लिखो। लिखो, लिखो, विवरणिकार्य तथा अनुसृति लिखो।

मेरे रखें रखो मेरे रखो विवरणिकार्य तथा अनुसृति लिखो। 46-67 विवरणिकार्य तथा अनुसृति लिखो। प्रधान समय में विवरणिकार्य तथा अनुसृति लिखो। विवरणिकार्य तथा अनुसृति लिखो। विवरणिकार्य तथा अनुसृति लिखो। 1105 विवरणिकार्य तथा अनुसृति लिखो। विवरणिकार्य तथा अनुसृति लिखो। विवरणिकार्य तथा अनुसृति लिखो। 612 विवरणिकार्य तथा अनुसृति लिखो। 716 विवरणिकार्य तथा अनुसृति लिखो। 30 विवरणिकार्य तथा अनुसृति लिखो। 29, 29 कामा वा 24, 24 कामा तथा 34, 34 विवरणिकार्य तथा अनुसृति लिखो। 8, 8 अपेक्षा वा 50 अपेक्षा लिखो। 22 विवरणिकार्य तथा अनुसृति लिखो। 22 विवरणिकार्य तथा अनुसृति लिखो। 8, 8 अपेक्षा वा 27 और अपेक्षा लिखो। 4 विवरणिकार्य तथा अनुसृति लिखो।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	31.10.2020	--	--

देश के खाद्यान भण्डारण को समृद्ध बनाने में एचएयू की भूमिका अहम-प्रोफेसर समर सिंह

पाठकपक्ष न्यूज़

हिसार, 1 नवम्बर : जब प्रदेश संयुक्त पंजाब से अलग हुआ तो उस समय हरियाणा प्रदेश का वर्ष 1966-67 में खाद्यान उत्पादन केवल 2.59 मिलियन टन था। इसके बाद वर्ष 2000-2001 में बढ़कर 13.29 मिलियन टन हो गया और अब वर्ष 2019-20 में यह बढ़कर 17.86 मिलियन टन हो गया है। प्रदेश में हारित क्रांति की सफलता व खाद्यान उत्पादन में अपार बढ़िया हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा अधिक पैदावार बाती विभिन्न फसलों की किस्में विकसित करना, नई-नई तकनीकें इजाद करना, अथवा प्रयासों, लगन, दुर्गमी सोच और प्रदेश के किसानों की कड़ी मेहनत का ही परिणाम है। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने व्यक्त किए। वे हरियाणा दिवस पर आयोजित एक प्रेस बातां के द्वारा पत्रकारों से रूबरू हो रहे थे। इस दौरान विश्वविद्यालय के कुलसचिव सहित सभी महाविद्यालयों के अधिकारी, निदेशक, विभागाध्यक्ष एवं अन्य अधिकारी मौजूद थे। कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने विश्वविद्यालय की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए आगे बताया कि विश्वविद्यालय को



स्थापना से लेकर अब तक विश्वविद्यालय ने विभिन्न फसलों की 250 नई व उत्तर किस्में विकसित की हैं जो रोग प्रतिरोधी व अधिक पैदावार देने वाली हैं। अब तक 533 राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एमओयू साइन हो चुके हैं। अभी तक विश्वविद्यालय को 17 पेटेंट, 5 कॉर्पोरेशन और 2 डिजाइनों को स्वीकृति मिल चुकी है। इसके अलावा 49 पेटेंट, 1 कॉर्पोरेशन व 2 डिजाइन विश्वविद्यालय की ओर से पुस्तकारों से भी नवाज जा चुका है। इनमें से देश के सभी कृषि विश्वविद्यालयों में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा मिली प्रथम राष्ट्रीय पुस्तकार व हाल ही में विश्वविद्यालय को मिली प्रथम अटल रैंकिंग शामिल हैं। उन्होंने कहा कि हरियाणा प्रदेश क्षेत्रफल

की दृष्टि से अन्य प्रदेशों की तुलना में बहुत ही छोटा है जबकि देश के खाद्यान भण्डारण व फसल उत्पादन में अग्रणी प्रदेशों में है। आज देशभर के केंद्रीय खाद्यान भण्डारण में प्रदेश का कुल भण्डारण का 16 प्रतिशत है जो अपने आप में बहुत बड़ी उपलब्धि है। इसमें गेहूं 9.3 मिलियन टन और चावल 4.2 मिलियन टन शामिल हैं। आज हरियाणा प्रदेश गेहूं के प्रति हेक्टेयर उत्पादन क्षमता में देश में नंबर बन है। अकेला हरियाणा प्रदेश देश का 60 प्रतिशत बासमती का उत्पादन करता है जबकि कुल चावल उत्पादन में प्रदेश दूसरे स्थान पर है। प्रोफेसर समर सिंह ने बताया कि दलहन व तिलहनी फसलों में बढ़ते उत्पादन को लेकर भी विश्वविद्यालय ने अपनी अलग पहचान बनाई है। उन्होंने प्रदेश के किसानों से आळान किया है कि वे विश्वविद्यालय द्वारा विकसित आधुनिक तकनीकों व विभिन्न फसलों की किस्मों का लाभ उठाएं। कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने बताया कि पिछले 20 वर्षों में गेहूं व चावल के उत्पादन में रिकार्ड बढ़िया हुई है। विश्वविद्यालय द्वारा विकसित उत्तर किस्मों व आधुनिक तकनीकों से प्रदेश का किसान समृद्ध और खुशहाल हो रहा है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
जगत क्रान्ति	31.10.2020	--	--

देश के खाद्यान भंडारण को समृद्ध बनाने में एचएयू की भूमिका अहम : प्रो. समर सिंह

हिसार/विजोट गांधी

जब प्रदेश संयुक्त पंजाब से अलग हुआ तो उस समय हरियाणा प्रदेश का वर्ष 1966-67 में खाद्यान उत्पादन केवल 2.59 मिलियन टन था। इसके बाद वर्ष 2000-2001 में बढ़कर 13.29 मिलियन टन हो गया और अब वर्ष 2019-20 में यह बढ़कर 17.86 मिलियन टन हो गया है। प्रदेश में हरित क्रांति की सफलता व खाद्यान उत्पादन में अपार वृद्धि हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा अधिक पैदावार वाली विभिन्न फसलों की किस्में विकसित करना, नई-नई तकनीकें इजाद करना, अधिक प्रयासों, लगन, दूरगमी सोच और प्रदेश के किसानों की कड़ी मेहनत का ही परिणाम है। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने व्यक्त किए। वे हरियाणा दिवस की पूर्व संध्या पर आयोजित एक प्रेस वार्ता के दौरान पत्रकारों से रुबरू

हो रहे थे। उन्होंने कहा कि हरियाणा प्रदेश क्षेत्रफल की दृष्टि से अन्य प्रदेशों की तुलना में बहुत ही छोटा है जबकि देश के खाद्यान भण्डारण व फसल उत्पादन में अग्रणी प्रदेशों में है। आज देशभर के केंद्रीय खाद्यान भण्डारण में प्रदेश का कुल भण्डारण का 16 प्रतिशत है जो अपने आप में बहुत बड़ी उपलब्धि है। इसमें गेहूं 9.3 मिलियन टन और चावल 4.2 मिलियन टन शामिल हैं। आज हरियाणा प्रदेश गेहूं के प्रति हेक्टेयर उत्पादन क्षमता में देश में नंबर बन है। अकेला हरियाणा प्रदेश देश का 60 प्रतिशत बासमती का उत्पादन करता है जबकि कुल चावल उत्पादन में प्रदेश दूसरे स्थान पर है। प्रोफेसर समर सिंह ने बताया कि दलहन व तिलहनी फसलों में बढ़ते उत्पादन को लेकर भी विश्वविद्यालय ने अपनी अलग पहचान बनाई है। उन्होंने प्रदेश के किसानों से आह्वान किया है कि वे विश्वविद्यालय द्वारा विकसित आधुनिक तकनीकों व विभिन्न फसलों की किस्मों का लाभ उठाएं।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

दिनांक 11.11.2020 पृष्ठ संख्या..... 6 कॉलम..... 1-4

मिशन एडमिशन • विश्वविद्यालय सहित शहर के कुल 11 स्कूलों में परीक्षा केंद्र बनाए

एचएयू में बीएससी एग्रीकल्चर की 50 और होम साइंस की 90 सीटों के लिए 3424 ने दी परीक्षा

भारत न्यूज़ | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय व होम साइंस के चार वर्षीय कोर्स के लिए 3424 परीक्षार्थियों ने प्रवेश परीक्षा दी जबकि 1867 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बीआर कंबोज ने बताया कि बीएससी एग्रीकल्चर छह वर्षीय व होम साइंस के चार वर्षीय कोर्स के लिए परीक्षा का आयोजन कोरोना महामारी के चलते केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों का पालन करते हुए किया गया था। इस परीक्षा के लिए 5291 परीक्षार्थियों ने आवेदन किया था।

उन्होंने बताया कि प्रवेश परीक्षाओं के लिए विश्वविद्यालय सहित शहर के कुल 11 स्कूलों में परीक्षा केंद्र बनाए गए थे ताकि परीक्षार्थियों को किसी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े और कोरोना महामारी के चलते जारी हिदायतों का भी सही तरीके से पालन हो सके। सभी परीक्षा केंद्रों को परीक्षा से पहले सेनिटाइज



एचएयू के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व कुलसचिव डॉ. बीआर कंबोज परीक्षा केंद्र पर जायजा लेते हुए।

कराया गया और सामाजिक दूरी व मास्क का भी विशेष ध्यान रखा गया। इसके अलावा सभी परीक्षार्थियों को विश्वविद्यालय की ओर से ही परीक्षा केंद्र के प्रवेश द्वार पर हाथ सेनेटाइज करवाने के बाद फेस मास्क मुहैया करवाए गए, ताकि कोरोना के खतरे से निपटने के लिए सतर्कता बरती जा सके। परीक्षा सुबह 10 बजकर 30 मिनट से दोपहर 12 बजकर 30 मिनट आयोजित की गई।

परीक्षा केंद्रों का किया दौरा

कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज ने विश्वविद्यालय के अंदर व बाहरी परीक्षा केंद्रों का दौरा कर परीक्षार्थीओं का जायजा लिया। कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने परीक्षार्थीओं के शांतिपूर्वक सफल आयोजन के लिए स्टाफ सदस्यों व विश्वविद्यालय प्रशासन की सराहना की। इससे पहले भी विश्वविद्यालय की ओर से कोरोना

महामारी के चलते स्नातकोत्तर एवं पीएचडी कोर्सों व बीएससी एग्रीकल्चर के चार वर्षीय कोर्स के लिए भी प्रवेश परीक्षाओं का आयोजन किया गया था।

परीक्षा नियंत्रक डॉ. एस.के. पाहुजा ने बताया कि इन परीक्षाओं के लिए 5291 विद्यार्थियों ने ऑनलाइन आवेदन किया था, जिसमें से 5008 ने बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय और 283 ने बीएससी होम साइंस में कम्युनिटी साइंस के चार वर्षीय प्रोग्राम के लिए आवेदन किया था। उन्होंने बताया कि बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय कोर्स के 3279 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल हुए जबकि 1729 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। इसी प्रकार बीएससी होम साइंस में कम्युनिटी साइंस के चार वर्षीय प्रोग्राम के लिए 145 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी जबकि 138 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय की ओर से बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय कोर्स के लिए 50 सीटें जबकि बीएससी होम साइंस के लिए 90 सीटें निर्धारित की गई हैं।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....पंजाब कैशरी

दिनांक ..11.11.2020 पृष्ठ संख्या.....2 कॉलम.....3-8

3424 परीक्षार्थियों ने दी बी.एससी. एग्रीकल्चर व होम साइंस के लिए प्रवेश परीक्षा

■ कोरोना महामारी के चलते 1867 नहीं पहुंचे परीक्षा केन्द्रों पर

हिसार, 31 अक्टूबर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बी.एससी. एग्रीकल्चर के 6 वर्षीय व होम साइंस के 4 वर्षीय कोर्स के लिए 3424 परीक्षार्थियों ने प्रवेश परीक्षा दी, जबकि 1867 परीक्षार्थी कोरोना महामारी के चलते अनुपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज ने बताया कि बी.एससी. एग्रीकल्चर 6 वर्षीय व

कुलपति व कुलसचिव ने किया दौरा

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह व कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज ने विश्वविद्यालय के अंदर व बाहरी परीक्षा केंद्रों का दौरा कर जायजा लिया। कुलपति ने परीक्षाओं के शातिर्पक्ष सफल आयोजन के लिए रटाफ सदस्यों व विश्वविद्यालय प्रशासन की सराहना की। इससे पहले भी विश्वविद्यालय की ओर से कोरोना महामारी के चलते स्नातकोत्तर एवं पी.एचडी. कॉर्सों व बी.एससी. एग्रीकल्चर के 4 वर्षीय कोर्स के लिए भी प्रवेश परीक्षाओं का आयोजन किया गया था। शनिवार को यह परीक्षाओं का अंतिम चरण था। परीक्षा नियंत्रक डॉ. एस.के. पाहुजा ने परीक्षार्थियों व अभिभावकों से अपील की कि वे प्रवेश परीक्षा के परिणाम व दाखिला संबंधी अन्य नवीनतम जानकारियों के लिए विश्वविद्यालय की वैबसाइट पर निरंतर धैक करते रहें।



कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज परीक्षा केंद्र पर जायजा लेते हुए।

बी.एससी. एग्रीकल्चर की 50 व होम साइंस की 90 सीटों के लिए हुई परीक्षा

परीक्षा नियंत्रक डॉ. एस.के. पाहुजा ने बताया कि इन परीक्षाओं के लिए 5291 विद्यार्थियों ने ऑनलाइन आयोजन किया था, जिसमें से 5008 ने बी.एससी. एग्रीकल्चर के छह वर्षीय और 283 ने बी.एससी. होम साइंस में कम्युनिटी साइंस के 4 वर्षीय प्रोग्राम के लिए आयोजन किया था। उन्होंने बताया कि बी.एससी. एग्रीकल्चर के 6 वर्षीय कोर्स के 3279 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल हुए जबकि 1729 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। इसी प्रकार बी.एससी. होम साइंस में कम्युनिटी साइंस के 4 वर्षीय प्रोग्राम के लिए 145 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी जबकि 138 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

१०१ अनुकूल संख्या

दिनांक .।.।. ।।।. २०२० पृष्ठ संख्या..... ३ कॉलम..... ५-६

शिक्षा

बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय व होम साइंस के चार वर्षीय कोर्स के लिए आयोजित की गई थी परीक्षा

एचएयू में 3424 ने दी प्रवेश परीक्षा, 1867 रहे गैरहाजिर

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय व होम साइंस के चार वर्षीय कोर्स के लिए 3424 परीक्षार्थियों ने प्रवेश परीक्षा दी, जबकि 1867 अनुपस्थित रहे। 5291 परीक्षार्थियों ने आवेदन किया था। परीक्षा सुबह 10:30 से दोपहर 12:30 बजे तक आयोजित की गई। परीक्षार्थियों के मोबाइल से लेकर दूसरे सामान केंद्र के बाहर जमा करा लिए गए। इसके साथ ही बिना मास्क के किसी को भी परीक्षा में शामिल होने की अनुमति नहीं थी।

कुलसचिव डा. बीआर कंबोज ने बताया कि बीएससी एग्रीकल्चर छह वर्षीय व होम साइंस के चार वर्षीय कोर्स के लिए परीक्षा का आयोजन कोरोना महामारी के चलते केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में प्रवेश परीक्षा के दौरान परीक्षा केंद्र में व्यवस्थाएं देखते कुलपति प्रौ. समर सिंह, कुलसचिव डा. बीआर कंबोज व अन्य। ● विज्ञप्ति

के अनुसार किया गया है। कुल 11 स्कूलों में परीक्षा केंद्र बनाए गए थे, ताकि परीक्षार्थियों को किसी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े। इसके साथ उड़नदस्तों ने परीक्षा केंद्रों का दौरा भी किया।

परीक्षा परिणाम एचएयू की

वेबसाइट पर देखें: परीक्षा नियंत्रक डा. एसके पाहुजा ने परीक्षार्थियों व अभिभावकों से अपील की कि वे प्रवेश परीक्षा के परिणाम व दखिला संबंधी अन्य नवीनतम जानकारियों के लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर निरंतर देखते रहें।

बीएससी एग्रीकल्चर की 50 व होम साइंस की 90 सीटों के लिए परीक्षा इन परीक्षाओं के लिए 5291 विद्यार्थियों ने ऑनलाइन आवेदन किया था, जिसमें से 5008 ने बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय और 283 ने बीएससी होम साइंस में कम्युनिटी साइंस के चार वर्षीय प्रोग्राम के लिए आवेदन किया था। उन्होंने बताया कि बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय कोर्स के 3279 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल हुए, जबकि 1729 अनुपस्थित रहे। इसी प्रकार बीएससी होम साइंस में कम्युनिटी साइंस के चार वर्षीय प्रोग्राम के लिए 145 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी, वही 138 अनुपस्थित रहे। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय की ओर से बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय कोर्स के लिए 50, जबकि बीएससी होम साइंस के चार वर्षीय कोर्स के लिए 90 सीटें निर्धारित की गई हैं।

यह बनाए थे परीक्षा केंद्र इन प्रवेश परीक्षाओं के लिए विश्वविद्यालय सहित शहर के 11 जगह में परीक्षा केंद्र बनाए गए थे, जिनमें विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय, गृह विज्ञान महाविद्यालय, कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय, कैपस स्कूल के अलावा टाकुर दास भर्गव वरिष्ठ माझमिक विद्यालय, सीआर पब्लिक स्कूल, विद्या भारती पब्लिक स्कूल, विश्वास वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, न्यू यशोदा पब्लिक स्कूल व एफसी महिला महाविद्यालय शामिल थे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

अमर उजाला

दिनांक .।. ।।. २०२० पृष्ठ संख्या..... २ कॉलम..... ५-६

एचएयू में 3424 विद्यार्थियों ने दी परीक्षा

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय व होम साइंस के चार वर्षीय कोर्स के लिए 3424 परीक्षार्थियों ने प्रवेश परीक्षा दी, जबकि 1867 अनुपस्थित रहे। इस परीक्षा के लिए 5291 परीक्षार्थियों ने आवेदन किया था। प्रवेश परीक्षाओं के लिए विश्वविद्यालय सहित शहर के कुल 11 स्कूलों में परीक्षा केंद्र बनाए गए थे।

परीक्षा सुबह 10 बजकर 30 मिनट से दोपहर 12 बजकर 30 मिनट आयोजित की गई। सभी परीक्षार्थियों को विश्वविद्यालय की ओर से ही परीक्षा केंद्र के प्रवेश द्वार पर हाथ सैनिटाइज



परीक्षा केंद्र का जायजा लेते कुलपति व अन्य।

करवाने के बाद फेस मास्क उपलब्ध कराए गए। कुलपति प्रो. समर सिंह व कुलसचिव डॉ. बीआर कंबोज ने परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया।

बीएससी एग्रीकल्चर की 50 व होम साइंस की 90 सीटों के लिए हुई परीक्षा

परीक्षा नियंत्रक डॉ. एसके पाहुजा ने बताया कि इन परीक्षाओं के लिए 5291 विद्यार्थियों ने आवेदन किया था, जिसमें से 5008 ने बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय और 283 ने बीएससी होम साइंस में कम्यूनिटी साइंस के चार वर्षीय प्रोग्राम के लिए आवेदन किया था। बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय कोर्स के 3279 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल हुए, जबकि 1729 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। बीएससी होम साइंस में कम्यूनिटी साइंस के चार वर्षीय प्रोग्राम के लिए 145 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी, जबकि 138 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय कोर्स की 50 और बीएससी होम साइंस के चार वर्षीय कोर्स की 90 सीटें हैं।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
एचआर ब्रेकिंग न्यूज	01.11.2020	--	--

एचएयू में 3424 परीक्षार्थियों ने दी प्रवेश परीक्षा

बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय व होम साइंस के चार वर्षीय कोर्स के लिए आयोजित की गई थी परीक्षा

एचआर ब्रेकिंग न्यूज

हिमारा। चौथीरी चरण स्थित हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बोर्ड-समिति एप्रील-मध्य तक के छह वर्षीय व वार्षिक साइंस के चार चरण कार्यालय के लिए 3424 परीक्षार्थियों ने प्रवेश परीक्षा दी जबकि 1867 परीक्षार्थी अनुमति प्राप्त कर रहे थे। इनमें से दो हुए विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. शंख आर. कंबोज ने बताया कि बोर्ड-समिति एप्रील-मध्य तक छह वर्षीय वार्षिक साइंस के चार चरण कार्यालय के लिए परीक्षा का आयोजन कीरोनी मासमारी के

चलते केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हितवाचों का पालन करते हुए किया गया था। इन परीक्षाएँ के लिए 5291 परीक्षार्थियों ने आवेदन किया था। उनमें बचाव का फ्रेवर्स परीक्षाओं के लिए, विश्वविद्यालय के कैफायती कुल 11 स्कूलों में प्रभाव के बचाव गए थे ताकि परीक्षार्थियों को किसी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े और कोरोना महामारी के चलते जारी दिवायतों का भी सही तरीके से पालन हो सके। प्रीपरेशन केंद्रों को प्रीपरेशन से लेकर सेनेटाइज कराया गया और समाजिक दूरी व स्वास्थ का भी विशेष ध्यान रखा गया। इसके अलावा सभी परीक्षार्थियों को विश्वविद्यालय द्वारा प्रति और सभी प्राप्तिकानों के बीच प्रेस्चाल्ड द्वारा प्रति



हाथ सेनेटांज करवाने के बाद फेस मास्क मुहाया करवाए थे, ताकि पोकों का विष तंत्र से निपटने के लिए सरकरी बर्ती जा सके। परीशा सुबह 10 बजकर 30 मिनट से दोपहर 12 बजकर 30 मिनट अपेक्षित थी गई। विश्वविद्यालय के कलृपात्र व कुलसमिति ने किया परीशा केंद्रों का दौरा : विश्वविद्यालय के कुलताना प्रोफेसर संसद संहित व कुलसमिति डॉ. बी.आर. कंबेज ने विश्वविद्यालय के अंदर व बाहरी केंद्रों का दौरा करके परीक्षार्थीों का जायजा लिया। कुलताना प्रोफेसर संसद संहित ने परीशा केंद्रों के शास्त्रात्मक सफर का आयोगी के लिए स्टाफ सदस्यों व विश्वविद्यालय प्रशासन की सदस्यों की इससे फले भी विश्वविद्यालय की ओर से कोरोना महामारी के चलते स्नानारोपण एवं प्रैवेक्षीय कार्यक्रम व बीमारी संपर्क के चार वर्षीय कार्यक्रम के लिए भी प्रवेक्षण परीक्षार्थीों का आयोग बनवाया गया था। शनिवारों को यह परीक्षार्थी विश्वविद्यालय का दौरा करके परीक्षार्थी व अधिकारीकों अपेक्षा की तो वे प्रवेक्षण करके परीक्षार्थी व दाखिला संभी अनन्यतम जानकारियों के लिए विश्वविद्यालय के चक्र करते हुए। एसडीसी एकाइकरण की 50 वां हावी साइडसी की 90 सीटों के लिए हुए परीक्षा : परीक्षा निवेदक डॉ. एस.एस.पा.हुजा ने बताया कि दूसरी परीक्षाएँ लिए 21 विद्यार्थियों ने अनावश्यक

आवेदन किया था, जिसमें 2008 ने बीमासंस्था परीक्षकर्त्ता के छह वर्षों के लिए और 283 में बीमासंस्था के लिए साइड्स में कम्पनीनांती साइड्स के चार वर्षों के लिए आवेदन किया था। उन्होंने बताया कि बीमासंस्था परीक्षकर्त्ता के छह वर्षों को 3.279 परीक्षणीय प्रश्नों में शामिल हुए एवं जबकि 1729 परीक्षणीय अनुप्रयोग थे। इसी प्रकार साइड्स में कम्पनीनांती साइड्स के चार वर्षों प्रश्नों के लिए 145 परीक्षणीयों ने परीक्षा दी जबकि 138 परीक्षणीयों अनुप्रयोग थे।

उहोने बताया कि विश्वविद्यालय के ओर से योग्यसील एग्रीकल्चर के छह विषयों कार्यसे हम सेंटर्स के साथ सोनरा जबकि योग्यसील विषयों के लिए 90 सीटों में से 10 सीटों के लिए विषयों कार्यसे हम इन 90 सीटों नियमितरूप से उपलब्ध कराएं गए हैं। इन प्रवेश प्रक्रियों के लिए सफल आवेदन के लिए विश्वविद्यालय सहित शहर के 11 जगहों में पोस्टों कोई बदलाव नहीं है जिनमें से विश्वविद्यालय के काम करने वालायां यह विज्ञान महाविद्यालय, कृषि अधिकारीकी, एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, महाविद्यालय, एवं मानविकी महाविद्यालय, कैपसर स्कूल के अलावा ठाकुर दादा भाऊ विद्यालय, मायार्थ विद्यालय, सी.पी.पी.विद्यालय, स्कूल, विद्या भारती पब्लिक स्कूल, विद्यालय वरिसा मायार्थिक विद्यालय, न्यू योर्को पब्लिक स्कूल व ए.डी.टी.लाल महाविद्यालय शामिल हैं।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सच कहूं	01.11.2020	--	--

परीक्षा

बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय व होम साइंस के चार वर्षीय कोर्स के लिए आयोजित की गई थी परीक्षा

कृषि विश्वविद्यालय में 3424 परीक्षार्थियों ने दी प्रवेश परीक्षा

- बीएससी की 50 जबकि होम साइंस की 90 सीटों के लिए हुई प्रवेश परीक्षा

हिसार (सच कहूं ब्यूरो)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय व होम साइंस के चार वर्षीय कोर्स के लिए 3424 परीक्षार्थियों ने प्रवेश परीक्षा दी जबकि 1867 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। वह जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. वी.आर. कंबोज परीक्षा केंद्र पर जायजा लेते हुए।



विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व कुलसचिव डॉ. वी.आर. कंबोज परीक्षा केंद्र पर जायजा लेते हुए।

सरकार द्वारा जारी हिदायतों का पालन करते हुए किया गया था। इस परीक्षा के लिए 5291 परीक्षार्थियों ने आवेदन किया था। उन्हेंनि बताया कि बीएससी एग्रीकल्चर छह वर्षीय व होम साइंस के चार वर्षीय कोर्स के लिए परीक्षा का आयोजन किया गया था। इनका आयोजन की गयी तिथि 01.11.2020 थी।

प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े और कोरोना महामारी के चलते जारी हिदायतों का भी सही तरीके से पालन हो सके। सभी परीक्षा केंद्रों को परीक्षा से पहले सेनेटाइज कराया गया और सामाजिक दूरी व मास्क का भी विशेष ध्यान रखा गया। इसके

कुलपति व कुलसचिव ने किया परीक्षा केंद्रों का दौरा

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व कुलसचिव डॉ. वी.आर. कंबोज ने विश्वविद्यालय के अंदर व बाहरी परीक्षा केंद्रों का दौरा कर परीक्षाओं का जायज लिया। कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने परीक्षाओं के शातिष्ठीक सफल आयोजन के लिए स्टाफ सदस्यों व विश्वविद्यालय प्रशासन की सहायता की। इससे पहले भी विश्वविद्यालय की ओर से कोरोना महामारी के चलते स्नातकोत्तर एवं पीएचडी कोर्सों व बीएससी एग्रीकल्चर के चार वर्षीय कोर्स के लिए भी प्रवेश परीक्षाओं का आयोजन किया गया था। शनिवार को यह परीक्षाओं का अंतिम घरण था। परीक्षा नियंत्रक डॉ. एस.के. पाहुजा ने परीक्षार्थियों व अधिकारियों से अपील की थी वे प्रवेश परीक्षा के परिणाम व दाखिला संबंधी अन्य नीनतम जानकारियों के लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट <http://admissions.hau.ac.in/> पर निरत थेक करते रहें।

अलावा सभी परीक्षार्थियों को कोरोना के खतरे से निपटने के लिए विश्वविद्यालय की ओर से ही सतर्कता बताई जा सके। परीक्षा परीक्षा केंद्र के प्रवेश द्वार पर हाथ सुबह 10 बजकर 30 मिनट से सेनेटाइज करवाने के बाद फैस दोपहर 12 बजकर 30 मिनट मास्क मुहैया करवाए गए, ताकि आयोजित की गई।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हिसार टूडे	31.10.2020	--	--

एचएयू में 3424 परीक्षार्थियों ने दी प्रवेश परीक्षा

बीएससी एशियाकल्चर के 6 वर्षीय व होम साइंस के 4 वर्षीय कोर्स के लिए आयोजित की गई थी परीक्षा

टैन्ड न्यूज़ | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बीएससी एशियाकल्चर के छह वर्षीय व होम साइंस के चार वर्षीय कोर्स के लिए 3424 परीक्षार्थियों ने प्रवेश परीक्षा दी जबकि 1867 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। यह जानकारी देंद्र तुगु विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज ने बताया कि बीएससी एशियाकल्चर छह वर्षीय व होम साइंस के चार वर्षीय कोर्स के लिए परीक्षा का आयोजन करोना महामारी के चलते केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों का पालन करते हुए किया गया था। इस परीक्षा के लिए 5291 परीक्षार्थियों ने आवेदन किया था। उन्होंने बताया कि प्रवेश परीक्षाओं के लिए विश्वविद्यालय सहित शहर के कुल 11 स्कूलों में परीक्षा केंद्र बनाए गए थे ताकि परीक्षार्थियों को किसी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े औं करोना महामारी के चलते जारी हिदायतों का भी सही तरीके से पालन हो सके। सभी परीक्षा केंद्रों को परीक्षा से पहले सेनेटाइज कराया गया और सामाजिक दूरी व मास्क का भी विशेष ध्यान रखा गया।



विश्वविद्यालय के कुलपति व कुलसचिव ने किया परीक्षा केंद्रों का दौरा

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज ने विश्वविद्यालय के अंदर व बाहरी परीक्षा केंद्रों का दौरा कर परीक्षाओं का जायजा लिया। कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने परीक्षाओं के शान्तिपूर्वक सफल आयोजन के लिए स्टाफ सदस्यों व विश्वविद्यालय प्रशासन की सराहना की। इससे पहले भी विश्वविद्यालय की ओर से करोना महामारी के चलते स्नातकोत्तर एवं पीएचडी कोर्सों व बीएससी एशियाकल्चर के यह वर्षीय कोर्स के लिए भी प्रवेश परीक्षाओं का आयोजन किया गया था। शिक्षावादी यह परीक्षाओं का अद्भुत घरण था। परीक्षा नियंत्रक डॉ. एस.के. पाहुजा ने परीक्षार्थियों व अधिकारीकों से अपील की कि वे प्रवेश परीक्षा के परिणाम व दायित्व संबंधी अव्यवहार नीतिमान जानकारियों के लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर निरंतर घेक करते रहें।

बीएससी एशियाकल्चर की 50 व होम साइंस की 90 सीटों के लिए हुई परीक्षा

परीक्षा नियंत्रक डॉ. एस.के. पाहुजा ने बताया कि इन परीक्षाओं के लिए 5291 विद्यार्थियों ने ऑनलाइन आवेदन किया था, जिसमें से 5008 ने बीएससी एशियाकल्चर के छह वर्षीय और 283 ने बीएससी होम साइंस में कम्प्युनिटी साइंस के चार वर्षीय प्रोग्राम के लिए आवेदन किया था। उन्होंने बताया कि बीएससी एशियाकल्चर के छह वर्षीय कोर्स के 3279 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल हुए जबकि 1129 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। इसी प्रकार बीएससी होम साइंस में कम्प्युनिटी साइंस के चार वर्षीय प्रोग्राम के लिए 145 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी जबकि 138 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय की ओर से बीएससी एशियाकल्चर के छह वर्षीय कोर्स के लिए 50 व बीएससी होम साइंस के चार वर्षीय कोर्स के 4/6 न की इन प्रवेश परीक्षाओं के नियंत्रण द्वारा हुए द्वितीय छह दिनों के अंदर हो जाएंगे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	31.10.2020	--	--

हिसार

शनिवार, 31 अक्टूबर 2020

एचएयू में दाखिले के लिए 3424 परीक्षार्थियों ने दी प्रवेश परीक्षा

बीएससी एग्रीकल्प की 50 जबकि होम साइंस की 90 सीटों के लिए हुई प्रवेश परीक्षा

पांच बजे ब्लॉग

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बीएससी एग्रीकल्प के छह वर्षीय व होम साइंस के चार वर्षीय कोर्स के लिए 3424 परीक्षार्थियों ने प्रवेश परीक्षा दी जबकि 1867 परीक्षार्थी अनुमति ले गए। यह जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. चौधरी चरण ने बताया कि बीएससी एग्रीकल्प छह वर्षीय व होम साइंस के चार वर्षीय कोर्स के लिए परीक्षा का आयोजन कोरोना महामारी के चलते केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों का पालन करते हुए किया गया था। इस परीक्षा के लिए 5291 परीक्षार्थियों ने आवेदन किया था। उन्होंने बताया कि प्रवेश परीक्षाओं के लिए विश्वविद्यालय सहित जारी के लिए 11 स्कूलों में परीक्षा केंद्र के बनाए गए थे ताकि परीक्षार्थियों को किसी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े और कोरोना महामारी के चलते जारी हिदायतों का भी सालों तक से पालन हो सके। सभी परीक्षा केंद्रों को परीक्षा से पहले सेनेटडज कराया गया और सामाजिक दूरी व मासक का भी विशेष ध्यान रखा गया। इसके अलावा सभी



कोरोना वायरस के लिए परीक्षा को संसदीय बीएससी एग्रीकल्प के छह वर्षीय कोर्स के साथसे में शामिल हुए जबकि 1729 परीक्षार्थी अनुमति ले गए। इन प्रकार कार्यक्रम के लिए भी प्रवेश परीक्षाओं का बीएससी होम साइंस में कार्यानन्दी साइंस के आयोजन किया गया था। शान्तवार को यह परीक्षाओं का अंतिम चरण था। परीक्षा नियन्त्रक डॉ. एस.के. पाहुजा ने लिए अवेदन किया था। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय को ओर से बीएससी एग्रीकल्प के छह वर्षीय कोर्स की ओर से कोरोना महामारी के चलते स्नातकोत्तर एवं परीक्षार्थी कोर्स के स्नातकोत्तर एवं परीक्षार्थी अनुमति ले गए। इन परीक्षार्थियों ने सफल आयोजन के लिए 145 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी जबकि 138 परीक्षार्थी अनुमति ले गए। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय को ओर से बीएससी एग्रीकल्प के छह वर्षीय कोर्स की ओर से बीएससी होम साइंस के चार वर्षीय कोर्स के लिए 90 सीटें नियन्त्रित जानकारी के लिए विश्वविद्यालय सहित शहर की वेबसाइट admissions.hau.ac.in and hau.ac.in पर नियंत्रित चेक करते हैं। विश्वविद्यालय के केंद्र महाविद्यालय, गृह विज्ञान महाविद्यालय, कौशि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय, कैम्पस स्कूल के अलावा ठाकुर दास भारती वरिष्ठ मान्यमान विद्यालय, सीआर पर्सोनल स्कूल, विद्या भारती परिवेक स्कूल, विज्ञान विद्यालय सहित शहर के सदस्यों विश्वविद्यालय प्रशासन की सहाया में काम्पुनिटी साइंस के चार वर्षीय प्रोग्राम के लिए अवेदन किया था। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय कोरोना वायरस के लिए परीक्षार्थी परीक्षा के छह वर्षीय कोर्स के स्नातकोत्तर एवं परीक्षार्थी अनुमति ले गए। इन परीक्षार्थियों के सफल आयोजन के लिए विश्वविद्यालय सहित शहर के 11 जारी में परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं जिनमें विश्वविद्यालय के केंद्र महाविद्यालय, गृह विज्ञान महाविद्यालय, कौशि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय, कैम्पस स्कूल के अलावा ठाकुर दास भारती वरिष्ठ मान्यमान विद्यालय, सीआर पर्सोनल स्कूल, विद्या भारती परिवेक स्कूल, विज्ञान विद्यालय सहित मान्यमान विद्यालय, न्यू यशोदा पर्सोनल स्कूल व एफ.सी. महिला महाविद्यालय शामिल हैं।

परीक्षार्थियों को विश्वविद्यालय की ओर से ही परीक्षा केंद्र के प्रवेश द्वारा पर लाये सेनेटडज करवाने के बाद ऐस सम्पूर्ण वर्षीय कारबाए गए, ताकि कोरोना महामारी के चलते जारी हिदायतों का भी सालों तक से पालन हो सके। बजेकर 30 मिनट से लेकर 12 बजेकर 30 मिनट आयोजित की गई। विश्वविद्यालय के कुलपति व

कुलसचिव ने किया परीक्षा केंद्रों का दैरा परीक्षा केंद्र के प्रवेश द्वारा पर लाये सेनेटडज करवाने के बाद ऐस सम्पूर्ण वर्षीय कारबाए गए, ताकि कोरोना महामारी के चलते जारी हिदायतों के अंदर व वाहरी परीक्षा केंद्रों बताया कि इन परीक्षाओं के लिए 5291 समेत 90 सीटों के लिए हुई परीक्षा विद्यालय के अलावा आवेदन आदान के लिए स्टाफ मिनट आयोजित की गई।

विश्वविद्यालय के कुलपति व



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	31.10.2020	--	--

समस्त हरियाणा

शनिवार, 31 अक्टूबर, 2020

4

एचएयू में 3424 परीक्षार्थियों ने दी प्रवेश परीक्षा

बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय व होम साइंस के चार वर्षीय कोर्स के लिए आयोजित की गई थी परीक्षा

बीएससी की 50 जबकि होम साइंस की 90 सीटों के लिए हुई प्रवेश परीक्षा

समस्त हरियाणा न्यूज हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय व होम साइंस के चार वर्षीय कोर्स के लिए 3424 परीक्षार्थियों ने प्रवेश परीक्षा दी जबकि 1867 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। यह जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. चौ. आर. कंबोज ने बताया कि बीएससी एग्रीकल्चर छह वर्षीय व होम साइंस के चार वर्षीय कोर्स के लिए परीक्षा का आयोजन कोरोना महामारी के चलते साथी जारी की गयी थी।



किया था। उन्होंने बताया कि प्रवेश कोरोना महामारी के चलते जारी परीक्षाओं के लिए विश्वविद्यालय सहित हिदायतों का भी सभी तरफ से पालन हो गया था। शहर के कुल 11 स्कूलों में परीक्षा केंद्र सके। सभी परीक्षा केंद्रों को परीक्षा में घटने से बचाया गया था। शनिवार को यह परीक्षाओं का अंतिम चरण था। परीक्षा नियंत्रक डॉ. एस. के. गाहुजा ने परीक्षार्थियों व अधिकारीकों से अपील की कि वे प्रवेश परीक्षा के परिणाम व दाविदार संबंधी अन्य नवीनतम जानकारियों के लिए विश्वविद्यालय को वेबसाइट पर निरत बन करते रहें।

विश्वविद्यालय के कुलपति व कुलसचिव ने किया परीक्षा केन्द्रों का दौरा

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर मिंह व कुलसचिव डॉ. चौ. आर. कंबोज ने अंदर व बाहरी परीक्षा केंद्रों का दौरा कर परीक्षाओं का आयात किया। कुलपति प्रोफेसर समर मिंह ने परीक्षाओं के शास्त्रीयक सफल आयोजन के लिए स्टाफ सदस्यों व विश्वविद्यालय प्रशासन की सहायता की। इससे पहले भी विश्वविद्यालय की ओर से कोरोना महामारी के चलते ज्ञातकोत्तर एवं पीएचडी कोर्स व बीएससी एग्रीकल्चर के चार वर्षीय कोर्स के लिए भी प्रवेश परीक्षाओं का आयोजन किया गया था। शनिवार को यह परीक्षाओं का अंतिम चरण था। परीक्षा नियंत्रक डॉ. एस. के. गाहुजा ने परीक्षार्थियों व अधिकारीकों से अपील की कि वे प्रवेश परीक्षा के परिणाम व दाविदार संबंधी अन्य नवीनतम जानकारियों के लिए विश्वविद्यालय को वेबसाइट पर निरत बन करते रहें।

परीक्षार्थियों को विश्वविद्यालय की ओर से निपटने के लिए सतर्कता बरती से ही परीक्षा केंद्र के प्रवेश द्वार पर हाथ जा सके। परीक्षा सुबह 10 बजाकर 30 मिनट से दोपहर 12 बजाकर 30 मिनट मुहिया करवाए गए, ताकि कोरोना के आयोजित को गई।

बीएससी एग्रीकल्चर की 50 व होम साइंस की 90 सीटों के लिए हुई परीक्षा

परीक्षा नियंत्रक डॉ. एस. के. गाहुजा ने बताया कि इन परीक्षाओं के लिए 5291 परीक्षार्थियों ने अनिलाइन आवेदन किया था, जिसमें से 5008 ने बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय और 283 ने बीएससी होम साइंस में कम्युनिटी साइंस के चार वर्षीय प्रोग्राम के लिए आवेदन किया था। उन्होंने बताया कि बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय कोर्स के 3279 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल हुए जबकि 1729 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय की बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय प्रोग्राम के लिए 145 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी जबकि 138 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। इसी प्रकार बीएससी होम साइंस में कम्युनिटी साइंस के चार वर्षीय प्रोग्राम के लिए 50 सीटें जबकि बीएससी होम साइंस के चार वर्षीय कोर्स के लिए 90 सीटें नियंत्रित की गई हैं। इन प्रवेश परीक्षाओं के सफल आयोजन के लिए विश्वविद्यालय सहित शहर के 11 जगह में परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं जिनमें विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय, गृह अधिकारीकों एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय, कैपम स्कूल के अलावा टाकुर दाम भागीं वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सीआर पब्लिक स्कूल, विद्या भारती पब्लिक स्कूल, विश्व भारती पब्लिक स्कूल, विश्व भारती पब्लिक स्कूल व एफ.सी. भाहला महाविद्यालय शामिल हैं।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	31.10.2020	--	--

एचएयू में 3424 परीक्षार्थियों ने दी प्रवेश परीक्षा, 1867 रहे अनुपस्थित

पाठकपक्ष न्यूज़

हिसार, 31 अक्टूबर : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय व होम साइंस के चार वर्षीय कोर्स के लिए 3424 परीक्षार्थियों ने प्रवेश परीक्षा दी जबकि 1867 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। यह जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज ने बताया कि बीएससी एग्रीकल्चर छह वर्षीय व होम साइंस के चार वर्षीय कोर्स के लिए परीक्षा का आयोजन कोरोना महामारी के चलते केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों का पालन करते हुए किया गया था। कोरोना महामारी के चलते जारी हिदायतों का भी सही तरीके से पालन हो सके। सभी परीक्षा केंद्रों को परीक्षा से पहले सेनेटाइज कराया गया और सामाजिक दूरी व मास्क का भी विशेष ध्यान रखा गया। इसके अलावा सभी परीक्षार्थियों को विश्वविद्यालय की ओर से ही परीक्षा केंद्र के प्रवेश द्वारा पर हाथ सेनेटाइज करवाने के बाद फेस मास्क मुहैया करवाए गए, ताकि कोरोना के खतरे



से निपटने के लिए सतर्कता बरती जा सके। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज ने विश्वविद्यालय के अंदर व बाहरी परीक्षा केंद्रों का दौरा कर परीक्षाओं का जायजा लिया। परीक्षा नियंत्रक डॉ. एस.के. पाहुजा ने परीक्षार्थियों व अधिभावकों से अपील की कि वे प्रवेश परीक्षा के परिणाम व दार्खिल संबंधी अन्य नवीनतम जानकारियों के लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट admissions.hau.ac.in and hau.ac.in पर निरंतर चेक करते रहें। परीक्षा नियंत्रक डॉ. एस.के. पाहुजा ने बताया कि इन परीक्षाओं के लिए 5291 विद्यार्थियों ने ऑनलाइन आवेदन किया था, जिसमें से 5008 ने बीएससी होम साइंस के चार वर्षीय कोर्स के लिए 90 सीटें जबकि बीएससी होम

एग्रीकल्चर के छह वर्षीय और 283 ने कम्युनिटी साइंस के चार वर्षीय प्रोग्राम के लिए आवेदन किया था। उन्होंने बताया कि बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय कोर्स के 3279 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल हुए जबकि 1729 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। इसी प्रकार बीएससी होम साइंस में कम्युनिटी साइंस के चार वर्षीय प्रोग्राम के लिए 145 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी जबकि 138 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय की ओर से बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय कोर्स के लिए 50 सीटें जबकि बीएससी होम साइंस के चार वर्षीय कोर्स के लिए 90 सीटें निर्धारित की गई हैं।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	31.10.2020	--	--

एचएयू में 3424 परीक्षार्थियों ने दी प्रवेश परीक्षा

बीएससी की 50 जबकि होम साइंस की 90 सीटों के लिए हुई प्रवेश परीक्षा

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय व होम साइंस के चार वर्षीय कोर्स के लिए 3424 परीक्षार्थियों ने प्रवेश परीक्षा दी जबकि 1867 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। यह जानकारी देते हुए कुलसंचिव डॉ. बी.आर. कंबोज ने बताया कि बीएससी एग्रीकल्चर छह वर्षीय व होम साइंस के चार वर्षीय कोर्स के लिए परीक्षा का आयोजन कोरोना महामारी के चलते केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों का पालन करते हुए किया गया था। इस परीक्षा के लिए 5291 परीक्षार्थियों ने आवेदन किया था। उन्होंने बताया कि प्रवेश परीक्षाओं के लिए विश्वविद्यालय सहित शहर



के कुल 11 स्कूलों में परीक्षा केंद्र बनाए गए थे ताकि परीक्षार्थियों को किसी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े और कोरोना महामारी के चलते जारी हिदायतों का भी सही तरीके से पालन हो सके।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व कुलसंचिव डॉ.

बी.आर. कंबोज ने विश्वविद्यालय के अंदर व बाहरी परीक्षा केंद्रों का दौरा कर परीक्षाओं का जायजा लिया। परीक्षा नियंत्रक डॉ. एस. के. पाहुजा ने बताया कि इन परीक्षाओं के लिए 5291 विद्यार्थियों ने ऑनलाइन आवेदन किया था, जिसमें से 5008 ने बीएससी होम साइंस के चार वर्षीय कोर्स के लिए 90 सीटें निर्धारित की गई हैं।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नम छोर	31.10.2020	--	--

हकृति प्रवेश परीक्षा में बैठे 3424 विद्यार्थी

हिसार/31 अक्टूबर/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय व होम साइंस के चार वर्षीय कोर्स के लिए 3424 परीक्षार्थियों ने प्रवेश परीक्षा दी जबकि 1867 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बीआर कंबोज ने बताया कि बीएससी एग्रीकल्चर छह वर्षीय व होम साइंस के चार वर्षीय कोर्स के लिए परीक्षा का आयोजन कोरोना महामारी के चलते केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों का पालन करते हुए किया गया था। इस परीक्षा के लिए 5291 परीक्षार्थियों ने आवेदन किया था। उन्होंने बताया कि प्रवेश परीक्षाओं के लिए विश्वविद्यालय सहित शहर के कुल 11 स्कूलों में परीक्षा केंद्र बनाए गए थे ताकि परीक्षार्थियों को किसी प्रकार की



समस्या का सामना न करना पड़े और कोरोना महामारी के चलते जारी हिदायतों का भी सही तरीके से पालन हो सके। सभी परीक्षा केंद्रों को परीक्षा से पहले सैनेटाइज कराया गया और सामाजिक दूरी व मास्क का विशेष ध्यान रखा गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने परीक्षाओं के शांतिपूर्वक सफल आयोजन के लिए स्टाफ सदस्यों व विश्वविद्यालय प्रशासन की सराहना की। परीक्षा नियंत्रक डॉ. एसके पाहुजा ने परीक्षार्थियों व अधिभावकों से अपील की कि वे प्रवेश परीक्षा के परिणाम व दाखिला संबंधी अन्य नवीनतम जानकारियों के लिए विश्व विद्यालय की वेबसाइट पर निरंतर चेक करते रहें।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी नई दिल्ली	01.11.2020	--	--

एथएयू में 3424 परीक्षार्थियों ने दी प्रवेश परीक्षा

बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय व होम साइंस के चार वर्षीय कोर्स के लिए 3424 परीक्षार्थियों ने प्रवेश परीक्षा दी जबकि 1867 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। यह जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज ने बताया कि बीएससी एग्रीकल्चर छह वर्षीय व होम साइंस के चार वर्षीय कोर्स के लिए परीक्षा का आयोजन कोरोना महामारी के चलते केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों का पालन करते हुए किया गया था। इस परीक्षा के लिए 5291 परीक्षार्थियों ने आवेदन किया था। उन्होंने बताया कि प्रवेश परीक्षाओं के लिए विश्वविद्यालय सहित शहर के कुल 11 स्कूलों में परीक्षा केंद्र बनाए गए थे, ताकि परीक्षार्थियों को किसी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े और कोरोना महामारी के चलते जारी हिदायतों का भी सही तरीके से पालन हो सके। सभी



विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज परीक्षा केंद्र पर जायजा लेते हुए। (छाया : राज पराशर) परीक्षा केंद्रों को परीक्षा से पहले बी.आर. कंबोज ने विश्वविद्यालय सेनेटाइज कराया गया और सामाजिक दूरी व मास्क का भी विशेष ध्यान रखा गया। इसके अलावा सभी परीक्षार्थियों को विश्वविद्यालय की ओर से ही परीक्षा केंद्र के प्रवेश द्वारा पर हाथ सेनेटाइज करवाने के बाद फेस मास्क मुहैया करवाए गए, ताकि कोरोना के खतरे से निपटने के लिए स्तरकृता बरती जा सके। परीक्षा सुबह 10 बजकर 30 मिनट से दोपहर 12 बजकर 30 मिनट आयोजित की गई। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व कुलसचिव डॉ. एस.के. पाहुजा ने परीक्षार्थियों व अधिभावकों से अपील की कि वे प्रवेश परीक्षा के परिणाम व दाखिला संबंधी अन्य नवीनतम जानकारियों के लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर निरंतर चेक करते रहें।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
उत्तम हिन्दू	31.10.2020	--	--

एचएयू में 3424 परीक्षार्थियों ने दी प्रवेश परीक्षाएं, 1867 रहे अनुपस्थित

हिसार/उत्तम हिन्दू न्यूज़: हरियाणा में यहां स्थित चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय और होम साइंस के चार वर्षीय पाठ्यक्रमों के लिए 3424 परीक्षार्थियों ने आज प्रवेश परीक्षा दी जबकि 1867 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बीआर कम्बोज ने बताया कि दोनों पाठ्यक्रमों के लिए परीक्षा का आयोजन कोरोना महामारी के चलते केंद्र और राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों का पालन करते हुए किया गया। सभी परीक्षार्थियों को विश्वविद्यालय की ओर से परीक्षा केंद्र के प्रवेश द्वार पर हाथ सेनेटाइज कराने के बाद फेस मास्क मुहैया कराए गये ताकि कोरोना के प्रति सतर्कता बरती जा सके। परीक्षा नियंत्रक डा. एस. के. पाहुजा ने बताया कि इन परीक्षाओं के लिए कुल 5291 विद्यार्थियों ने ऑनलाइन आवेदन किया था जिनमें से 5008 ने बीएससी एग्रीकल्चर और 283 बीएससी होम साइंस के थे। बीएससी एग्रीकल्चर के लिए 3279 परीक्षार्थी आये और 1729 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। इसी प्रकार बीएससी होम साइंस के लिये 145 ने परीक्षा दी और 138 अनुपस्थित रहे। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय की ओर से बीएससी एग्रीकल्चर के लिए 50 सीटें जबकि बीएससी होम साइंस के लिए 90 सीटें निर्धारित की गई हैं।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक सवेरा	31.10.2020	--	--

एचएयू में 3424 परीक्षार्थियों ने दी प्रवेश परीक्षा

- बीएससी की 50 जबकि होम साइंस की 90 सीटों के लिए हुई प्रवेश परीक्षा

हिसार, 31 अक्टूबर (सुरेंद्र सोढ़ी) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय व छोम साइंस के चार वर्षीय कोर्स के लिए 3424 परीक्षार्थियों ने प्रवेश परीक्षा दी। जबकि 1867 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व कुलसचिव डा. बी.आर. कंबोज परीक्षा केंद्र पर जायजा ले रहे हुए।



विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व कुलसचिव डा. बी.आर. कंबोज परीक्षा केंद्र पर जायजा ले रहे हुए।

विश्वविद्यालय सहित शहर के कुल 11 स्कूलों में परीक्षा केंद्र बनाए गए थे ताकि परीक्षार्थियों को किसी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े और कोरोना महामारी के चलते जारी हिदायतों का भी सही तरीके से पालन हो सके। सभी परीक्षा केंद्रों को परीक्षा से पहले सेनेटाइज कराया गया और सामाजिक दूरी व मास्क का भी

इन सीटों के लिए हुई परीक्षा

परीक्षा नियंत्रक डा. एस. के. पाहुजा ने बताया कि इन परीक्षाओं के लिए 5291 विद्यार्थियों ने ऑनलाइन आवेदन किया था, जिसमें से 5008 ने बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय और 283 ने बीएससी होम साइंस में कम्युनिटी साइंस के चार वर्षीय प्रोग्राम के लिए आवेदन किया था। उन्हें बताया कि बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय कोर्स के 3279 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल हुए, जबकि 1729 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। इसी प्रकार बीएससी होम साइंस में कम्युनिटी साइंस के चार वर्षीय प्रोग्राम के लिए 145 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी जबकि 138 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे।

मिनट आयोजित की गई। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व कुलसचिव डा. बी.आर. कंबोज ने विश्वविद्यालय के अंदर व बाहरी परीक्षा केंद्रों का दैरा किया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
जगत क्रान्ति	31.10.2020	--	--

एचएयू में 3424 परीक्षार्थियों ने दी प्रवेश परीक्षा

हिसार/विनोद गांधी : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय व होम साइंस के चार वर्षीय कोर्स के लिए 3424 परीक्षार्थियों ने प्रवेश परीक्षा दी जबकि 1867 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। यह जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज ने बताया कि बीएससी एग्रीकल्चर छह वर्षीय व होम साइंस के चार वर्षीय कोर्स के लिए परीक्षा का आयोजन कोरोना महामारी के चलते केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों का पालन करते हुए किया गया था। इस परीक्षा के लिए 5291 परीक्षार्थियों ने आवेदन किया था। उन्होंने बताया कि प्रवेश परीक्षाओं के लिए विश्वविद्यालय सहित शहर के कुल 11 स्कूलों में परीक्षा केंद्र बनाए गए थे ताकि परीक्षार्थियों को किसी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े और कोरोना महामारी के चलते जारी हिदायतों का भी सही तरीके से पालन हो सके। सभी परीक्षा केंद्रों को परीक्षा से पहले सेनेटाइज कराया गया और सामाजिक दूरी व मास्क का भी विशेष ध्यान रखा गया। इसके अलावा सभी परीक्षार्थियों को विश्वविद्यालय की ओर से ही परीक्षा केंद्र के प्रवेश द्वार पर हाथ सेनेटाइज करवाने के बाद फेस मास्क मुहैया करवाए।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..... द्वेरा भूमि.....

दिनांक .२. ११. २०२० पृष्ठ संख्या..... ९ कॉलम..... ।-५

हरियाणा दिवस पर आयोजित किया शिविर

रक्तदान से दे सकते दूसरों को जीवनदान : प्रो. समर

हरिगूमि न्यूज || हिसार

रक्तदाना रक्तदान कर दूसरों को जीवन दान देता है। इसलिए जीवन में हमें रक्तदान अवश्य करना चाहिए। साथ ही अन्य लोगों को भी रक्तदान के प्रति जागरूक करना चाहिए। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने व्यक्त किए।

वे श्री एसएस जैन सभा द्वारा हरियाणा दिवस पर आयोजित विशाल रक्तदान शिविर में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। कार्यक्रम में हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के चेयरमैन डॉ. जगबीर सिंह बतौर विशिष्ट अतिथि उपस्थित थे। कार्यक्रम का उद्घाटन



मुख्यातिथियों ने जैन सभा की परंपरा रिबन खोलकर किया। इस दौरान रक्त एकत्रित करने के लिए लायन ब्लड बैंक दिल्ली से टीम पहुंची। प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि कोरोना काल में इस तरह का रक्तदान शिविर बड़ी सावधानी से आयोजित करना बड़ी उपलब्धि है। इसके अलावा एक वृतांत के माध्यम से जैन सभा के लोगों का समाज के उत्थान और जागरूकता लाने के लिए सहयोग के बारे में भी बताया। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के चेयरमैन डॉ. जगबीर सिंह ने कहा कि दुर्घटना के समय कई बार पीड़ित को खून के अभाव में जान गंवानी पड़ जाती है। इसलिए एक स्वस्थ व्यक्ति को अपने जीवन में रक्तदान

अवश्य करते रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि वे स्वयं नियमित रूप से रक्तदान करते हैं। कार्यक्रम का संचालन श्री एसएस जैन सभा के सदस्य एवं एचएयू के वित नियंत्रक नवीन जैन ने किया। मेयर गौतम सरदाना ने इस तरह के सामाजिक सरोकार के कार्यक्रमों को आयोजित करने के लिए सभा की सऱ्हाहना की। इस दौरान करीब 600 लोगों ने रक्तदान के लिए पंजीकरण करवाया है। उनका लक्ष्य अधिक से अधिक रक्तदान करवाना है ताकि जरूरतमंदों को रक्त की कमी नहीं रहे। कार्यक्रम में सामाजिक दूरी, मास्क व सेनेटाइजेशन का विशेष ध्यान रखा गया। सभा के प्रधान प्रबीण जैन ने सभी अतिथियों का धन्यवाद किया।

55 लोगों ने दिया रक्त

जारीनौंदा। हरियाणा दिवस पर द्वारा देवराज धर्मशाला में उंत निरंकारी मिशन की ओर नार्नीद वे रक्तदान शिविर का आयोजन किया। सिविल अस्पताल हिसार से डॉ. छंदु यादव, मुकेश राहिला, रितु अनाल, कृष्ण मारोज तथा रेडक्रास के वेदप्रकाश की टीम ने शिविर में पहुंचकर 55 यूनिट रक्तदान लिया। शिविर का उद्घाटन प्रदीपक विकास यादव ने किया। उन्होंने कहा कहा कि रक्त का कोई विकल्प नहीं है। यह किसी फैक्ट्री में तैयार नहीं हो सकता तथा किसी के भी जीवन को बचाने के लिए अति अवश्यक है। ऐसे में किसी व्यक्ति का किया गया रक्तदान महादान है। इस अवसर पर नगरपालिका यैरमेन सुरेश लोहान, पार्षद प्रतिनिधि सुरेश सिंहमार, पार्षद सुनील वैरागी थे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

पंजाब के सरी

समाचार पत्र का नाम.....

दिनांक २. ११. २०२० पृष्ठ संख्या..... ३ कॉलम..... ३-५

रक्तदान कर दे सकते हैं दूसरों को जीवनदान : प्रो. समर

हरियाणा दिवस के अवसर पर श्री एस.एस. जैन सभा ने लगाया रक्तदान शिविर

हिसार, १ नवम्बर (ब्यूरो) : रक्तदान से बड़ा कोई दान नहीं है। रक्तदाता रक्तदान कर दूसरों को जीवनदान देता है। इसलिए जीवन में हमें रक्तदान अवश्य करना चाहिए। साथ ही अन्य लोगों को भी इसके प्रति जागरूक करना चाहिए। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह ने श्री एस.एस. जैन सभा द्वारा हरियाणा दिवस पर आयोजित रक्तदान शिविर में बताए गये व्यक्ति किए। कार्यक्रम में हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के चेयरमैन डा. जगबीर सिंह बताए विशिष्ट अतिथि उपस्थित थे। इस दौरान रक्त एकत्रित करने के लिए लायन ब्लड बैंक दिल्ली से टीम आई हुई थी।

डा. जगबीर सिंह ने कहा कि दुर्घटना के समय कई बार पीड़ित को खून के अभाव में जान गंवानी पड़ जाती है। इसलिए एक स्वस्थ व्यक्ति को अपने जीवन में रक्तदान अवश्य करते रहना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन करते हुए एस.एस. जैन सभा के सदस्य एवं एच.ए.यू. के वित्त नियंत्रक नवीन जैन ने सभी का स्वागत करते हुए संस्था द्वारा किए जाने वाले सामाजिक सरोकार के कार्यक्रमों की विस्तारपूर्वक जानकारी दी। इस दौरान मेयर गौतम सरदाना ने इस तरह के सामाजिक सरोकार के कार्यक्रमों को आयोजित करने के लिए सभा की



कार्यक्रम में मौजूद कुलपति प्रो. समर सिंह, हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के चेयरमैन डा. जगबीर सिंह व अन्य।

सरहना की और अधिक से अधिक लोगों को रक्तदान करने के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि इस दौरान करीब 600 लोगों ने रक्तदान के लिए पंजीकरण करवाया है। इस कार्यक्रम को आयोजित कराने में भारत विकास परिषद शाखा, रैजिडेंस वैनफेयर एसोसिएशन पी.एल.ए., मुनि मायाराम धर्मार्थ अस्पताल शालीमार बाग दिल्ली का विशेष सहयोग रहा।

कार्यक्रम में डॉ. हरिदत कौशिक, तेरा पंथ जैन समाज के अध्यक्ष संजय जैन, गौरव जैन, डॉ. प्रदीप जैन, विजेंद्र जैन, राजेश जैन, मुकेश गोयल, डॉ. सुरेंद्र सिंह, डॉ. रविंद्र छिल्लों, भरत राम जैन, डॉ. प्रधान दिनेश जैन, सुधीर जैन, कोषाध्यक्ष राकेश जैन, दीपक जैन, मीनू जैन, दीक्षा जैन, संतोष जैन, महिला प्रधान सुभाष कुमारी जैन सहित अन्य प्रमुख समाजसेवी लोग शामिल थे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

जीन के जागरण

समाचार पत्र का नाम.....
दिनांक २१.११.२०२० पृष्ठ संख्या.....५ कॉलम.....२३

हम रक्तदान कर दे सकते दूसरों को जीवनदान : वीसी

जागरण संगदादाता, हिसार : रक्तदान से बड़ा कोई दान नहीं है। रक्तदान रक्तदान कर दूसरों को जीवन दान देता है। इसलिए जीवन में हमें रक्तदान अवश्य करना चाहिए। साथ ही अन्य लोगों को भी रक्तदान के प्रति जागरूक करना चाहिए। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विवि के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने व्यक्त किए। वे एसएस जैन सभा द्वारा हरियाणा दिवस पर आयोजित विशाल रक्तदान शिविर में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे।

कार्यक्रम में हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के चेरमैन डॉ. जगबीर सिंह बतौर विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्यातिथियों ने जैन समाज की परंपरा अनुसार रिबन काटने की बजाय खोलकर किया। इस दौरान रक्त एकत्रित करने के लिए लायन ब्लड बैंक दिल्ली से टीम आई हुई थी। प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि मनुष्य जीवन में धन-दैलत व

हरियाणा दिवस के अवसर पर श्री एसएस जैन सभा की ओर से आयोजित किया रक्तदान शिविर

अन्य प्रकार के दान तो करता रहता है, लेकिन उसे रक्तदान भी अवश्य करना चाहिए, क्योंकि यह एक प्रकार से जीवनदान है। उन्होंने जैन सभा द्वारा आयोजित कैप की सराहना करते हुए कहा कि कोरोना काल में इस तरह का रक्तदान शिविर आयोजित करना अपने आप में बहुत बड़ी उपलब्धि है। करीब 600 लोगों ने रक्तदान के लिए पंजीकरण करवाया है।

इस कार्यक्रम को आयोजित कराने में भारत विकास प्ररिषद शाखा, रेजीडेंस वेलफेयर एसोसिएशन पीएलए, मुनि मायाराम धर्मार्थ हॉस्पिटल शालीमार बाग दिल्ली का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम में डा. हरिदत कौशिक, तेरा पंथ जैन समाज के अध्यक्ष संजय जैन, गौरव जैन, डा. प्रदीप जैन, विजेंद्र जैन, राजेश जैन, मुकेश गोयल आदि शामिल रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..... इन्डियन एज्जन्युले

दिनांक २१.११.२०२० पृष्ठ संख्या । कॉलम ।

mycity

न्यूज कैप्सूल

रक्तदान कर दे सकते हैं दूसरों को जीवनदान



हिसार।
रक्तदान से बड़ा कोई दान नहीं है।
रक्तदाता रक्तदान कर दूसरों को जीवन दान देता है। इसलिए जीवन में हमें रक्तदान अवश्य करना चाहिए। यह बात हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह ने कही। वह श्री एसएस जैन सभा की तरफ से हरियाणा दिवस पर आयोजित रक्तदान शिविर में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। कार्यक्रम में हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के चेयरमैन डॉ. जगबीर सिंह बतौर विशिष्ट अतिथि उपस्थित थे। इस अवसर पर सभा के प्रधान प्रवीण जैन, डॉ. हरिदत कौशिक, संजय जैन, गौरव जैन, डॉ. प्रदीप जैन, विजेंद्र जैन, राजेश जैन, मुकेश गोयल, डॉ. सुरेंद्र सिंह, डॉ. रविंद्र छिल्लो, भरत राम जैन, मीनू जैन, दीक्षा जैन, संतोष जैन, सुभाष कुमारी जैन आदि मौजूद रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	01.11.2020	--	--

हरियाणा दिवस के अवसर पर श्री एस.एस. जैन सभा ने लगाया रक्तदान शिविर

पाठकपक्ष न्यूज, हिसार, 1 नवम्बर : रक्तदान से बड़ा कोई दान नहीं है। रक्तदाता रक्तदान कर दूसरों को जीवन दान देता है। इसलिए जीवन में हमें रक्तदान अवश्य करना चाहिए। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलापति ग्रोफेसर समर सिंह ने व्यक्त किए। वे श्री एस.एस. जैन सभा द्वारा हरियाणा दिवस पर आयोजित विशाल रक्तदान शिविर में बतौर मुख्यातिथि बोले रहे थे। कार्यक्रम में हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के चेयरमैन डॉ. जगबीर

सिंह बतौर विशिष्ट अतिथि उपस्थित थे। इस दैरान करीब 600 लोगों ने रक्तदान के लिए पंजीकरण करवाया है। कार्यक्रम का संचालन करते हुए श्री एस.एस. जैन सभा के सदस्य एवं एचयू के वित्त नियंत्रक नवीन जैन ने सभी का स्वागत किया। इस दैरान शहर के मेयर गौतम सरदाना ने अधिक से अधिक लोगों को रक्तदान करने के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया। इस कार्यक्रम को आयोजित करने में भारत विकास परिषद शाखा, रेजीडेंस वेलफेयर

एसोसिएशन पीएलए, मुनि मायाराम धर्मार्थ हॉस्पिटल शालीमार बाग दिल्ली का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम में डॉ. हरिदत्त कौशिक, तेग पंथ जैन समाज के अध्यक्ष संजय जैन, गौरव जैन, डॉ. प्रदीप जैन, विजेंद्र जैन, गजेश जैन, मुकेश गोयल, डॉ. सुरेंद्र सिंह, डॉ. रविंद्र ठिल्लो, भरत राम जैन, उपप्रधान दिनेश जैन, सुधीर जैन, कोषाध्यक्ष गवक्ष जैन, दीपक जैन, मीनू जैन, दीशा जैन, संतोष जैन, महिला प्रधान सुभाष कुमारी जैन सहित अन्य प्रमुख समाजसेवी लोग शामिल थे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
एचआर ब्रेकिंग न्यूज	02.11.2020	--	--

हम रक्तदान कर दे सकते हैं दूसरों को जीवनदान : प्रोफेसर समर सिंह हरियाणा दिवस के अवसर पर श्री एस.एस. जैन सभा की ओर से आयोजित किया रक्तदान शिविर

एचआर ब्रेकिंग न्यूज

हिसार। रक्तदान से बड़ा कोई दान नहीं है। रक्तदाता रक्तदान कर दूसरों को जीवन दान देता है। इसलिए जीवन में हमें रक्तदान अवश्य करना चाहिए।

साथ ही अन्य लोगों को भी रक्तदान के प्रति जागरूक करना चाहिए। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने व्यक्त किए। वे श्री एस.एस. जैन सभा द्वारा हरियाणा दिवस पर आयोजित विशाल रक्तदान शिविर में बौतीर मुख्यातिथि बोल रहे थे। कार्यक्रम में हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के चेयरमैन डॉ. जगबीर



कार्यक्रम में मौजूद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह, हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के चेयरमैन डॉ. जगबीर सिंह व अन्य।

सिंह बौतीर विशिष्ट अतिथि उपस्थित थे। समाज की परंपरा अनुसार रिबन काटने की कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्यातिथियों ने जैन बजाय रिबन खोलकर किया। इस दौरान रक्त

एकत्रित करने के लिए लायन ब्लड बैंक दिल्ली से टीम आई हुई थी। प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि मनुष्य जीवन में धन-दैलत व अन्य प्रकार के दान तो करता रहता है, लेकिन उसे रक्तदान भी अवश्य करना चाहिए क्योंकि यह एक प्रकार से जीवनदान है। उन्होंने जैन सभा द्वारा आयोजित कैप की सराहना करते हुए कहा कि कोरोना काल में इस तरह का रक्तदान शिविर बड़ी सावधानी से आयोजित करना अपने आप में बहुत बड़ी उपलब्धि है। इसके अलावा एक वृतांत के माध्यम से जैन समाज के लोगों का समाज के उत्थान और जागरूकता लाने के लिए सहयोग के बारे में भी बताया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हैलो हिसार	02.11.2020	--	--

हम रक्तदान कर दे सकते हैं दूसरों को जीवनदान : प्रोफेसर समर सिंह

हैलो हिसार न्यूज़

हिसार : रक्तदान से बड़ा कोई दान नहीं है। रक्तदाता रक्तदान कर दूसरों को जीवन दान देता है। इसलिए जीवन में हमें रक्तदान अवश्य करना चाहिए। साथ ही अन्य लोगों को भी रक्तदान के प्रति जागरूक करना चाहिए। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने व्यक्त किए। वे श्री एस.एस. जैन सभा द्वारा हरियाणा दिवस पर आयोजित विशाल रक्तदान शिविर में बैठौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। कार्यक्रम में हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के चेयरमैन डॉ. जगबीर सिंह अतिथि उपस्थित थे। कार्यक्रम का

उद्घाटन मुख्यातिथियों ने जैन समाज की परेपरा अनुसार रिबन काटने की बजाय रिबन खोलकर



किया। इस दैरान रक्त एकत्रित करने के लिए लायन ब्लड बैंक दिल्ली से टीम आई हुई थी। प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि अन्य प्रकार के दान तो करता मनुष्य जीवन में धन-दौलत व अलावा एक वृतांत के माध्यम से रहता है, लेकिन उसे रक्तदान भी

अवश्य करना चाहिए क्योंकि यह एक प्रकार से जीवनदान है। उन्होंने जैन सभा द्वारा आयोजित

हरियाणा दिवस के अवसर पर श्री एस.एस. जैन सभा की ओर से आयोजित किया रक्तदान शिविर उत्थान और जागरूकता लाने के लिए सहयोग के बारे में भी बताया। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के चेयरमैन डॉ. जगबीर सिंह ने कहा कि दुर्घटना के समय कई बार पीड़ित को खून के अभाव में जान गंवानी पड़ जाती है। इसलिए एक स्वस्थ व्यक्ति को अपने जीवन में रक्तदान अवश्य करते रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि वे स्वयं नियमित रूप से रक्तदान करते हैं और लोगों को इसके लिए प्रेरित करते हैं।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हिसार टूडे	01.11.2020	--	--

हम रक्तदान कर दे सकते हैं दूसरों को जीवनदान : प्रोफेसर समर सिंह

श्री एस.एस. जैन सभा की ओर से आयोजित किया रक्तदान शिविर



कार्यक्रम में मौजूद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह, हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के चेयरमैन डॉ. जगवीर सिंह व अन्य।

टृंग न्यूज़ | हिसार

रक्तदान से बड़ा कोई दान नहीं है। रक्तदाता रक्तदान कर दूसरों को जीवन दान देता है। इसलिए जीवन में हमें रक्तदान अवश्य करना चाहिए। साथ ही अन्य लोगों को भी रक्तदान के प्रति जागरूक करना चाहिए। वे विचार चौथी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने व्यक्त किए। वे श्री एस.एस. जैन सभा द्वारा हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के रक्तदान शिविर में बताए रखा था। अन्य प्रकार उपलब्धि थी। जगवीर सिंह बताए विशिष्ट अतिथि उपस्थिति थी। कार्यक्रम में हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के चेयरमैन डॉ. जगवीर सिंह बताए विशिष्ट अतिथि उपस्थिति थी। कार्यक्रम के उदासान मुख्यालियत अनुसार रिक्तन काटने ने जैन सभा की परंपरा अनुसार रिक्तन काटने की बजाए निबन्ध खोलकर किया। इस दौरान रक्त एकांकित करने के लिए लायन ब्लड बैंक दिल्ली से टीम अड्डे हुई थी। प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि मनुष्य जीवन में धन-दौलत व अन्य प्रकार के दान तो करता रहता है, लेकिन उसे रक्तदान भी अवश्य करना चाहिए क्योंकि यह एक मुकाबला से जीवनदान है। उन्होंने जैन सभा द्वारा आयोजित कैप की साहाय्य करते हुए कहा कि कोइन काल में इस तह का रक्तदान शिक्षा बड़ी साक्षात्कारी से आयोजित करना अपने आप में बहुत बड़ी उपलब्धि है। इसके अलावा एक बुतान के माध्यम से जैन सभाज के लोगों का समाज के उद्योग और जागरूकता लाने के लिए सहयोग के बारे में भी बताया। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के चेयरमैन डॉ. जगवीर सिंह ने कहा कि दुर्घटना के समय कई बीड़ों को खुन के अभाव में जान गंवानी पड़ जाती है। इसलिए एक स्वस्थ व्यक्ति को अपने जीवा में रक्तदान अवश्य करते रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि वे स्वयं नियमित रूप से रक्तदान करते हैं और लोगों को इसके लिए

इनका राहा विशेष सहयोग

इस कार्यक्रम को आयोजित करने में भारत विद्यालय परिषद् शास्त्र, रेडीडेंस वेलफेयर एसोसिएशन प्रैरिय, मुनि मायादाम धर्मार्थ हासिलादाम शालीमार बाग विलेज का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम में डॉ. विद्युत लोकेश, डॉ. विजेता जैन, डॉ. प्रवीर जैन, डिजेंज जैन, राजेंद्र जैन, सुकेश जौहर, डॉ. नुष्ठ लिंग, डॉ. रविंद्र दिल्ली अस्त राम जैन, उपाध्याय विश्व जैन, सुरोज जैन, कौषिक्या लक्ष्मी जैन, शीरक जैन, शीतू जैन, फौजा जैन, सोरेष जैन, महिला प्रजन सुनाम कुमारी जैन लीक अव्य प्रमुख अस्पताल कालाजस्टी लोग सहायता दें।

प्रेरित करते हैं। कार्यक्रम का संचालन करते हुए श्री एस.एस. जैन सभा के सदस्य एवं एचाए के वित नियंत्रक श्री नवनिंदन जैन ने सभी का स्वागत करते हुए संस्था द्वारा नियंत्र जैन ने वाले समाजिक सरोकारों की विद्यारूपूर्वक जालकारी दी। इस दौरान शहर के मेयर श्री गोवंत मस्रदान ने इस तह के समाजिक सरोकार के कार्यक्रमों को आयोजित करने के लिए सभा की सहायता की और अधिक से अधिक लोगों को रक्तदान करने के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि इस दौरान कीरीब 600 लोगों ने रक्तदान के लिए पंजीकरण करवाया है। उनका लक्ष अधिक से अधिक रक्तदान करना है ताकि जरूरतमंदों को रक्त की कमी न रहे। कार्यक्रम में समाजिक दूरी, मालक व सेनेटाइजेशन का विशेष ध्यान रखा गया। सभा के प्रधान प्रवीण जैन ने सभी अतिथियों का इस कार्यक्रम में पहुंचने पर धन्यवाद किया और उन्हें शहर व सूर्य जिन्हे भेट कर सम्मानित किया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	01.11.2020	--	--

हरियाणा दिवस के अवसर पर श्री एस.एस. जैन सभा ने किया रक्तदान शिविर का आयोजन शिविर

हम रक्तदान कर दे सकते हैं दूसरों को जीवनदान : प्रो. समर सिंह

पांच बजे व्यूग

हिसार रक्तदान से बड़ा कोई दान नहीं है। रक्तदान रक्तदान कर दूसरों को जीवन दान देता है। इसलिए जीवन में हमें रक्तदान अवश्य करना चाहिए। सभी ही अब लोगों को भी रक्तदान के प्रति जागरूक करना चाहिए। ये विचार चौथी चरण में हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने अवकाश किए। वे श्री एस.एस. जैन सभा द्वारा हरियाणा दिवस पर आयोजित विशाल रक्तदान शिविर में बतौर भूमिकात्तिथि बैठ रहे थे। कार्यक्रम में हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के चेयरमैन डॉ. जगदीर सिंह बतौर विशिष्ट अतिथि उपस्थित थे। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्यतात्त्विक ने जैन सभाजी की परंपरा अनुसार शिविर काटने की बजाए शिविर खोलकर किया। इस दौरान एक एकत्रित करने के लिए लाभन बड़े बैक लैटी से टीम आई हुई थी। प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि मनुष्य जीवन में धन-दौलत व अन्य प्रकार के दान तो करता रहता



है, लेकिन उसे रक्तदान भी अवश्य करना चाहिए। क्योंकि यह एक प्रक्रम से जीवनदान है। उहाँने जैन सभा द्वारा आयोजित कैप की सहायता करते हुए कहा कि कोरोना काल में इस तरह का रक्तदान शिविर बहुत साराधानी से आयोजित करना अपने आप में बहुत बड़ी

उपलब्धि है। इसके अलावा एक बहुत करने के लिए समाज के लोगों का समाज के माध्यम से जैन सभाज के अधिक से अधिक लोगों को रक्तदान करने के उद्देश्य और जागरूकता लाने के लिए सहयोग लिए प्रतिट करने का आलावा किया। उन्होंने के बारे में भी बात की। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के चेयरमैन डॉ. जगदीर सिंह ने कहा कि रक्तदान के लिए पौजीकरण करतावाहा है। उनके द्वारा जैन उपचार दितेगा जैन, सुरीर जैन, कोशिष्यक रामेश जैन, दीपक जैन, मानू जैन, दीक्षा जैन, संतोष जैन, महिला प्रधान सुभाष कूमारी जैन सहित अन्य प्रमुख समाजसेवी लाल शामिल थे।

ताकि जल्दतमें रक्त की कमी न रहे। कार्यक्रम में सामाजिक दूरी, मास्क व सेंटोइलेशन का विशेष ध्यान रखा गया। सभा के प्रधान प्रवीण जैन ने सभी अतिथियों का इस कार्यक्रम में पूर्णानं पर धन्यवाद किया और उन्हें शाल व सूति दिये प्रेट कर सम्मानित किया।

इनका रहा विशेष सहयोग

कार्यक्रम के अयोजन में भारत विकास परिषद शाश्वत, रेलवे इंस केल्कुलर पर्सोनेल एन परिषद, मुनि मायापाम धर्मार्थ हाँस्टेल शालीमार बाग दिल्ली का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम में डॉ. हरिदत कौरिक, लैग पंज जैन सरदान ने इस तरह के समाजिक समाज के कार्यक्रमों की विस्तारपूर्वक जानकारी किए जैन वाले समाजिक समेताकार के कार्यक्रमों की विस्तारपूर्वक जानकारी दी। इस दौरान शहर के मेहर गोपन सरदान ने इस तरह के समाजिक समाज के अव्याप्त सज्जय जैन, गोरख जैन, पूर्णा प्रदीप जैन, विजेंद्र जैन, सुरीर जैन, भरत गोपन, डॉ. सुनद सिंह, डॉ. गंगेश दिल्ली, भरत गांग जैन, उपचार दितेगा जैन, सुरीर जैन, कोशिष्यक रामेश जैन, दीपक जैन, मानू जैन, दीक्षा जैन, संतोष जैन, महिला प्रधान सुभाष कूमारी जैन सहित अन्य प्रमुख समाजसेवी लाल शामिल थे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नम छोर	01.11.2020	--	--

स्वयं भी रक्तदान करें, लोगों को भी प्रेरित करें: कुलपति

हिसार/01 अक्टूबर/रिपोर्टर

रक्तदान से बड़ा कोई दान नहीं है। रक्तदाता रक्तदान कर दूसरों को जीवन दान देता है। इसलिए, जीवन में हमें रक्तदान अवश्य करना चाहिए। साथ ही अन्य लोगों को भी रक्तदान के प्रति जागरूक करना चाहिए। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने श्री एसएस जैन सभा द्वारा हरियाणा दिवस पर आयोजित रक्तदान शिविर में बौतौर मुख्यातिथि व्यक्त किए। कार्यक्रम में हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के चेयरमैन डॉ. जगबीर सिंह बौतौर विशिष्ट अतिथि उपस्थित थे। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्यातिथियों ने जैन समाज की परंपरा अनुसार रिबन काटने की बजाय रिबन खोलकर किया। इस दौरान रक्त एकत्रित करने के लिए लायन ब्लड बैंक दिल्ली से टीम आई हुई थी। प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि मनुष्य जीवन में धन-दौलत व अन्य प्रकार के दान तो करता रहता है, लेकिन उसे रक्तदान भी अवश्य करना चाहिए क्योंकि यह एक प्रकार से जीवनदान है। उन्होंने जैन सभा द्वारा आयोजित शिविर की



सराहना करते हुए कहा कि कोरोना काल में इस तरह का रक्तदान शिविर बड़ी सावधानी से आयोजित करना अपने आप में बहुत बड़ी उपलब्धि है। इसके अलावा एक बृतांत के माध्यम से जैन समाज के लोगों का समाज के उत्थान और जागरूकता लाने के लिए सहयोग के बारे में भी बताया। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के चेयरमैन डॉ. जगबीर सिंह ने कहा कि दुर्घटना के समय कई बार पीड़ितों को खून के अभाव में जान गंवानी पड़ जाती है। इसलिए एक स्वस्थ व्यक्ति को अपने जीवन में रक्तदान

अवश्य करते रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि वे स्वयं नियमित रूप से रक्तदान करते हैं और लोगों को इसके लिए प्रेरित करते हैं। कार्यक्रम का संचालन करते हुए श्री एसएस जैन सभा के सदस्य एवं एचएयू के वित्त नियंत्रक नवीन जैन ने संस्था द्वारा किए जाने वाले सामाजिक सरोकार के कार्यक्रमों की जानकारी दी।

इस दौरान मेयर गौतम सरदाना ने इस तरह के सामाजिक सरोकार के कार्यक्रमों को आयोजित करने के लिए सभा की सराहना की और अधिक से अधिक लोगों को

रक्तदान करने के लिए प्रेरित करने का आवान किया। उन्होंने बताया कि इस दौरान करीब 600 लोगों ने रक्तदान के लिए पंजीकरण करवाया है। उनका लक्ष्य अधिक से अधिक रक्तदान करवाना है ताकि जरूरतमंदों को रक्त की कमी न रहे। कार्यक्रम में सामाजिक दूरी, मास्क व सैनेटाइजेशन का विशेष ध्यान रखा गया। सभा के प्रधान प्रवीन जैन ने सभी अतिथियों को शॉल व स्मृति चिट्ठा भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम को आयोजित करने में भारत विकास परिषद शाखा, रेजीडेंस वैलफेयर एसोसिएशन पीएलए, मुनि मायाराम धर्मार्थ हॉस्पिटल शालीमार बाग दिल्ली का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम में डॉ. हरिदत कौशिक, तेरा पंथ जैन समाज के अध्यक्ष संजय जैन, गौरव जैन, डॉ. प्रदीप जैन, विजेंद्र जैन, राजेश जैन, मुकेश गोयल, डॉ. सुरेन्द्र सिंह, डॉ. रविंद्र दिल्ली, भरत राम जैन, उप प्रधान दिनेश जैन, सुधीर जैन, कोषाध्यक्ष राकेश जैन, दीपक जैन, मीनू जैन, दीक्षा जैन, संतोष जैन, महिला प्रधान सुभाष कुमारी जैन सहित अन्य प्रमुख समाजसेवी लोग शामिल थे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरियाणा न्यूज एक्सप्रेस	01.11.2020	--	--



Haryana News Express • Follow

7 h ·

...

हिसार : देश के खाद्यान भण्डारण को समृद्ध बनाने में
एचएयू की भूमिका अहम : प्रोफेसर समर... See More



HEADLINES | न पर है। प्रोफेसर समर सिंह ने बताया कि दलहन व तिलह

4 Views



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..... इमरजनला

दिनांक २. ११. २०२० पृष्ठ संख्या ४ कॉलम १-२

कृषि विशेषज्ञ की सलाह

डॉ. आरएस हुड़ा

बारानी के हालात में गेहूं की सी-306 की बिजाई 15 तक करें

बा। बारानी हालातों में सी - 306 की बिजाई नवंबर के पहले सप्ताह तक करें। कम उपजाऊ, कम सिंचित दशा व बारानी क्षेत्रों के लिए डब्ल्यूएच 1142 व डब्ल्यूएच 147 का इस्तेमाल करें।

सिंचित उपजाऊ जमीन में समय पर बिजाई के लिए (25 अक्टूबर से 15 नवंबर) डब्ल्यूएच 1105, डब्ल्यूएच 1184, एचडी 2967, डीबीडब्ल्यू 88, डीपीडब्ल्यू 621-50, एचडी 3086, डब्ल्यूएच 283, पीबीडब्ल्यू 550, डब्ल्यूएच 542 की सिफारिश की जाती है। पछेती बिजाई (26 नवंबर से 25 दिसंबर) के लिए डब्ल्यूएच 1021, डब्ल्यूएच 1124, डीबीडब्ल्यू 90, एचडी 3059 व राज 3765 किस्मों का इस्तेमाल करें। कठिया गेहूं के लिए डब्ल्यूएच 896, डब्ल्यूएच 912, डब्ल्यूएचडी 943 किस्मों का इस्तेमाल करें। पीता रुआ प्रभावित हरियाणा के उत्तर पूर्वी क्षेत्रों में किसान पीबीडब्ल्यू 343, पीबीडब्ल्यू 373, डब्ल्यूएच 711, एचडी 2851, डीबीडब्ल्यू 17, सुपर बरबट आदि किस्में न उताएं, क्योंकि ये किस्तेम पीता रुआ के लिए अल्पत रोगग्राही हैं। सी-306 (सिंचित इलाके) की बिजाई इस माह के दूसरे सप्ताह तक पूरी कर लें।

पछेती बिजाई के लिए 50 किलोग्राम बीज प्रति एकड़ पर्याप्त है। बिजाई कतारों में, खाद-बीज ड्रिल या पोरा विधि से 20 सेंटीमीटर की दूरी पर करें। ध्यान रहे कि देसी किस्मों की बिजाई लगभग 6 - 7 सेंटीमीटर और बौनी किस्मों की बिजाई 5 - 6 सेंटीमीटर से अधिक गहरी न करें। खरपतवारों की रोकथाम के लिए फसल की शुरू की बढ़वार में लगभग 30 दिन का अंदर ही निराई-गुड़ाई करें। यदि खरपतवारों की रोकथाम शाकनाशकों द्वारा करनी हो तो चौड़ी पत्ती वाले खरपतवारों की रोकथाम के लिए 2,4-डी का इस्तेमाल करें। इसके लिए 250 ग्राम 2,4-डी (सोडियम साल्ट 80 प्रतिशत) को 300 मिलीलीटर 2,4-डी (एस्टर 34.6 प्रतिशत) या एलग्रीप 8 ग्राम 250 लीटर पानी में मिलाकर एक एकड़ में छिड़काव करें।

गेहूं में मालवा, जांगली पालक, हिरण्यखुरी व अन्य चौड़ी पत्ती वाले खरपतवारों के नियंत्रण के लिए कारफेन्ट्राजोन ईथाइल (एफीनिटो) 40 प्रतिशत डीएफ की 20 ग्राम प्रति एकड़ या सभी प्रकार के चौड़ी पत्ती वाले खरपतवारों के लिए नियंत्रण के लिए लेनफिटा (मैटसल्फ्यूरैन 10 प्रतिशत प्लस कारफेन्ट्राजोन 40 प्रतिशत मिश्रण) की 20 ग्राम मात्रा प्रति एकड़ प्लस 0.2 प्रतिशत सहायक पदार्थ के हिसाब से 200-250 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें। यह छिड़काव बौनी किस्मों में बिजाई के लिए लगभग 30-35 दिन बाद व देसी किस्मों में बिजाई के 40-45 दिन बाद (जब पौधों में 3-6 पत्तियां बन जाएं) करना चाहिए। धन रखें कि 2,4-डी का इस्तेमाल गेहूं की डब्ल्यूएच 283 किस्म में और मिलवा गेहूं के साथ चना, सरसों आदि की फसल में न करें।

डॉ. आरएस हुड़ा
हरियाणा कृषि विधि
में विस्तार शिक्षा
निदेशक के पद
पर कार्यरत हैं।





चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....
दैनिक जागरण

दिनांक २१.११.२०२० पृष्ठ संख्या २ कॉलम २३

सदलपुर गांव के कृषि विज्ञान केंद्र में लगी अजोला यूनिट



गांव सदलपुर में लगाई गई अजोला यूनिट। ● विज्ञप्ति

संवाद सहयोगी, मंडी आदमपुर : सदलपुर के कृषि विज्ञान केंद्र के प्रांगण में पशुओं के हरे चारे की पूर्ति के लिए तेजी से बढ़ने वाली अजोला घास की प्रदर्शन यूनिट लगाई गई है, ताकि किसान व पशुपालक इसे अपनाकर बड़े स्तर पर लगा सके। अजोला घास एक प्रकार की जलीय फर्न है और यह पानी की सतह पर तैरती रहती है। कृषि विज्ञान केंद्र सदलपुर के संयोजक डा. नरेंद्र कुमार ने बताया कि अजोला से पशुओं

में कैलिश्यम, फॉस्फोरस, लोहे की आवश्यकता की पूर्ति होती है, जिससे पशुओं का शारीरिक विकास अच्छा होता है। यह गाय, भैंस, भेड़, बकरियों, मुर्गियों आदि के लिए एक आदर्श चारा सिद्ध हो रहा है। दुधारू पशुओं पर किए गए प्रयोगों से सबित होता है कि जब पशुओं को उनके दैनिक आहार के साथ 1.5 से 2 किग्रा अजोला प्रतिदिन दिया जाता है तो दूध उत्पादन में 15-20 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की गई है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..... अभृतज्ञाला

दिन में एक्यूआई 382, सांस के मरीजों को परेशानी

न्युनतम तापमान 11.2 और अधिकतम तापमान 30.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज

अमर उजाला व्यारो

हिसार। मौसम लगातार बदल रहा है। बढ़ती ठंड के बीच शनिवार को वायु गुणवत्ता सूचकांक में थोड़ी पिण्डिट आई, लेकिन प्रदूषण से राहत नहीं मिली। शनिवार को दिन में 3 बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक 382 पर पहुंच गया था। शाम 8 बजे यह 340 दर्ज किया गया। शनिवार को यह 432 पर पहुंच गया था। पिछले एक हफ्ते से वायु गुणवत्ता सूचकांक लगातार 300 के पार बना हुआ है। यह सांस के मरीजों के साथ ही आम लोगों की भी घोटाली जल्द रहा है।

दूसरी तरफ, दिन और रात्रि के तापमान में मामूली गिरावट दर्ज की गई। दिन का तापमान 30.6 डिग्री सेल्सियस और रात्रि तापमान 11.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।



दुन्दर इंपिंग स्टेशन पर छाया स्मॉग तथा कड़े के ढेर से निकलता ध्रुआं। संवाद

पराली जलाने पर दो के किए चालान -

जिले में पराली जलाने के केस लगातार सामने आ रहे हैं। शनिवार को हरसेक की तरफ से विभाग को 6 जगह आग लाने की रिपोर्ट सौंपी गई। बिनमे से 2 जगह पर पराली जलाई गई थी। विभाग ने इनका चालान कर दिया। जिले में अब तक 81 एकड़ 2 करनाल जमीन पर पराली जलाई जा चुकी है और इसके द्विया 58 चालान लिया गया है।

१८६५ वर्षात् १९०२ वर्ष

आमतौर पर खुशक रहने की संभावना है। इस दौरान पर खुशक धुध/स्माग जसा मासम बन रहने की संभावना है। बीचबीच में हल्की

आमतौर पर खुशक रहने की संभावना है। इस दौरान पर खुशक धूध/स्पॉग्ग जैसा मौसम बने रहने की संभावना है। बीचबीच में हल्की